राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,28 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –182 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधानसभा सत्र बुलाने पर बोले राजस्थान के राज्यपाल- 21 दिन का नोटिस जरूरी

जयपुर।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने विधानसभा का सत्र बुलाने का राज्य मंत्रिमंडल का संशोधित प्रस्ताव कुछ बिंदुओ के साथ सरकार को वापस भेजा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र संवैधानिक प्रावधानों के अनुकूल आहूत होना आवश्यक है। इसके साथ ही राजभवन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि राजभवन की विधानसभा सत्र नहीं बुलाने की कोई भी मंशा नहीं है। राजभवन ने जो तीन बिंदु उठाए हैं उनमें पहला बिंदु यह है कि विधानसभा सत्र 21 दिन का स्पष्ट नोटिस देकर बुलाया जाए। राजभवन सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने विधानसभा सत्र बुलाने की राज्य सरकार की संशोधित पत्रावली को तीन बिंदुओं पर कार्यवाही कर पुनः उन्हें भिजवाने के निर्देश के साथ संसदीय कार्य विभाग को भेजी है। इससे पहले शुक्रवार को राज्यपाल ने सरकार के प्रस्ताव को कुछ बिंदुओं पर कार्यवाही के निर्देश के साथ लौटाया था। सूत्रों ने बताया कि राजभवन ने तीन बिंदुओं पर कार्यवाही किए जाने का समर्थन देते हुए पत्रावली पुनः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें पहला बिंदु यह है कि विधानसभा सत्र 21 दिन का स्पष्ट नोटिस देकर बुलाया जाए जिससे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के अंतर्गत प्राप्त मौलिक अधिकारों की मूल भावना के अंतर्गत सभी को समान अवसर सुनिश्चित हो सके। राजभवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार राज्यपाल मिश्र ने कहा है कि विधानसभा सत्र संवैधानिक प्रावधानों के अनुकूल आहूत होना आवश्यक है। राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 के अंतर्गत तीन परामर्श देते हुए।

विधानसभा का सत्र आहूत किए जाने हेतु कार्यवाही किए जाने के निर्देश राज्य सरकार को दिए हैं। इसमें कहा गया कि, ''विधानसभा सत्र न बुलाने की कोई भी मंशा राज राजभवन की नहीं है। इसमें कहा गया है, ''प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया में राज्य सरकार के बयान से यह स्पष्ट है ।

दिल्ली में केजरीवाल ने किया रोजगार बाजार पोर्टल लॉन्च, मुफ्त में मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली/डेस्क।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रोजगार बाजार नाम से एक पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के जरिए अब दिल्ली में रोजगार ढूढने वालों के लिए सुविधा होगी। वहीं जिन व्यापारियों को कर्मचारियों की जरूरत है वो लोग भी इस पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं जिससे उन्हें कर्मचारी मिलने में सहायता होगी। ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और श्रम मंत्री गोपाल राय ने इस पोर्टल के विषय में जानकारी दी। इस पोर्टल पर लॉगइन करने के लिए गूगल पर जाकर सर्च करें। इसके बाद इसमें अपने डिटेल फिल करके खुद को रजिस्टर करें। नौकरी ढूढने वाले और नौकरी देने वाले दोनो की सुविधा के लिए ये पोर्टल बनाया गया है। दिल्ली के श्रम मंत्री गोपाल राय ने कहा कि वैसे तो नौकरी के लिए कई सारे प्राइवेट पोर्टल भी उपबल्ध हैं लेकिन वो फीस चार्ज करते हैं, ये सुविधा दिल्ली सरकार की ओर से मुफ्त शुरू की जा रही है। इसमें कोई भी बिचौलिया आपसे पैसे नहीं मांगेगा। अगर कोई ऐसा करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। दिल्ली सरकार ने स्किल ट्रेनिंग देने वाले सभी संस्थानों से भी अनुरोध किया है कि वो इस पर रजिस्टर करे और अपने छात्रों की स्किल के अनुसार उनको जॉब दिलवाएं। वहीं व्यापारियों और इंडस्ट्रियलिस्ट लोगों से भी अपील की गई है कि उन्हें जिस भी प्रकार के कर्मचारियों की जरूरत है वो उस जॉब की डिटेल पोर्टल पर भरें ताकी अधिक से अधिक योग्य लोगों को इस पोर्टल के जिए नौकरी मिल सके और कंपनियों को योग्य कर्मचारी। इस पोर्टल पर किस प्रकार से रजिस्टर करना है उसके लिए एक वीडियो भी जारी किया गाय है।

रूस ने चीन को दिया बड़ा झटका,एस-400 की डिलवरी पर लगाई रोक

इंटरनेशनल डेस्क। भारत-चीन सीमा पर एक तरफ चीन का पाला भारत से पड़ा तो वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व दुनियाभर के कई देश अब चीन के खिलाफ एकजुट नजर आ रहे हैं। दक्षिण चीन सागर में एक तरफ अमेरिकी नेवी ने गश्त बढ़ा दी है तो वहीं रूस ने चीन को अब तगड़ा झटका दिया है। रूस ने चीन को दिए जा रहे स400 मिसाइल सिस्टम की डिलीवरी को रद्द कर दिया है। इस बाबत चीन के एक न्यूज पेपर ने लिखा रूस ने स400 की डिलीवरी को आगे तक के लिए बढ़ा दिया है। यह काफी पेंचीदा मामला है। रूस लगातार मिसाइल सिस्टम को खरीदने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन महामारी के दौरान हथियार खरीदना कोरोना के खिलाफ पीपल्स लिबरेशन आर्मी को कमजोर कर सकती है। रूस ने चीन के साथ स400 मिसाइल डिलीवरी सिस्टम को ऐसे वक्त में रद्द किया है जब एक दिन पहले ही मॉस्को द्वारा चीन पर जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। बता दें कि बीते कुछ सालों में रूस और चीन के बीच संबंध काफी सुधरे हैं। बता दें कि सेंट पीट्सबर्ग में स्थित आर्कटिक सोशल साइंसेज एकेडमी के अध्यक्ष को गिरफ्तार किया गया है। क्योंकि इन्हें चीन के साथ गोपनीय जानकारी साझा करने का दोषी पाया गया है। रूस के इस कदम के बाद चीन ने दी सफाई उधर, रूस की घोषणा के बाद चीन ने सफाई देते हुए कहा है कि मास्को इस तरह का निर्णय लेने के लिए मजबूर है, क्योंकि वह चिंतित है कि इस समय एस-400 मिसाइलों का वितरण पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की महामारी विरोधी गतिविधियों को प्रभावित करेगा। चीन ने आगे कहा कि रूस नहीं चाहता कि इससे बीजिंग को कोई परेशानी हो। चीन का कहना है कि कई कारणों से रूस को मिसाइल देने के निर्णय को स्थगित करना पड़ा है। बीजिंग का कहना है कि इस प्रकार के हथियारों की डील एक जटिल प्रक्रिया है। इसके अलावा हथियारों को प्रयोग में लाने के लिए कर्मियों को प्रशिक्षण लेना पड़ता है। इसके लिए कर्मियों को रूस भेजना पड़ता, लेकिन कोरोना महामारी के दौर में यह काफी खतरनाक है। क्या है एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 मिसाइल सिस्टम, एस-300 का अपडेटेड वर्जन है। यह 400 किलोमीटर के दायरे में आने वाली मिसाइलों और पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को भी खत्म कर देगा। एस-400 डिफेंस सिस्टम एक तरह से मिसाइल शील्ड का काम करेगा, जो पाकिस्तान और चीन की एटमी क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइलों से भारत को सुरक्षा देगा। यह सिस्टम एक साथ एक बार में 72 मिसाइल दाग सकता है। यह सिस्टम अमेरिका के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट एफ-35 को भी गिरा सकता है। यह मिसाइल 36 परमाणु क्षमता वाली मिसाइलों को एक साथ नष्ट कर सकता है। चीन के बाद इस डिफेंस सिस्टम को खरीदने वाला भारत दूसरा देश है। चीन ने भारत से पहले इस मिसाइल सिस्टम को खरीदने का फैसला किया था। पहला बैच उसे 2018 में मिल भी चुका है। भारत को इस साल के आखिर तक यह सिस्टम मिल जाएगा। खास बात ये है कि रूस ने चीन की डिलीवरी को तो रोक दिया है, लेकिन भारत को वक्त पर मिसाइल देने का वादा दोहराया है। चीन ने भारत से पहले इस मिसाइल सिस्टम को खरीदने का फैसला किया था। पहला बैच उसे 2018 में मिल भी चुका है। भारत को इस साल के आखिर तक यह सिस्टम मिल जाएगा। खास बात ये है कि रूस ने चीन की डिलीवरी को तो रोक दिया है, लेकिन भारत को वक्त पर मिसाइल देने का वादा दोहराया है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान संकटः सीएम गहलोत ने प्रधानमंत्री से की बात, सियासी हालात पर हुई चर्चा

जयपुर। राजस्थान में जारी मौजूदा राजनीतिक गतिरोध के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की। मुख्य सचेतक महेश जोशी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत ने राज्य की सारी राजनीतिक परिस्थितियों के बारे में प्रधानमंत्री मोदी को बताया। हालांकि इस बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने कुछ दिन पहले एक पत्र भी प्रधानमंत्री मोदी को भेजा था। इसमें उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा था कि राज्य में कांग्रेस की निर्वाचित सरकार को गिराने का प्रयास हो रहा है और इस षडयंत्र में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी शामिल हैं।

अयोध्या में भूमि पूजन के बाद मस्जिद निर्माण की हलचल तेज

अयोध्या । अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए आगामी 5 अगस्त को भूमि पूजन किया जाएगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई दिग्गज शामिल होंगे। भूमि पूजन के बाद मंदिर निर्माण तेजी से शुरू हो जाएगा। इस बीच एक और बड़ी खबर सामने आई है। जिसमें पता चला है कि भूमि पूजन के बाद अयोध्या के रौनाही में मस्जिद निर्माण का भी कार्य शुरू किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक सुन्नी वक्फ बोर्ड भूमि पूजन के बाद मस्जिद निर्माण के लिए ट्रस्ट गठित करेगा। जिसमें 15 सदस्य शामिल होंगे। हालांकि अभी सुन्नी बोर्ड ने ट्रस्ट गठित नहीं किया है। लेकिन बताया जा रहा है कि आगामी 15 दिन में वह ट्रस्ट का एलान कर सकता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में ही मंदिर से हटकर 5 एकड़ जमीन मस्जिद को देने का निर्णय दिया था। काफी विवाद के बाद मस्जिद के लिए अयोध्या के रौनाही में जमीन मिली है। जिसमें मस्जिद के साथ साथ इस्लामिक एजुकेशन संस्थान और लाइब्रेरी का भी निर्माण कराए जाने की चर्चाएं हैं।

शिवराज की दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव, राज्य में कोरोना का आंकड़ा 28 हजार से पार

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस जैसी महामारी का ग्राफ दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। एक तरफ जहां सीएम शिवराज सिंह चौहान की कोरोना की दूसरी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है, वहीं दूसरी और भोपाल में 4 डॉक्टर समेत 177 और इंदौर में 127 नए केस सामने आए हैं। भोपाल और इंदौर में सोमवार को नए केस आने के बाद राज्य में संक्रमितों की संख्या 28 से पार हो गई है। जानकारी के अनुसार, सीएम शिवराज सिंह की दूसरी रिपोर्ट भी कोरोना पॉजिटिव आई है। हालांकि रविवार को सीएम ने ट्वीट कर अपने स्वास्थ्य की जानकारी दी थी। उन्होंने रविवार को अस्पताल से ही कोरोना समेत अन्य विभागों के अधिकारियों और मंत्रियों से चर्चा की। वहीं यदि राज्य में कोरोना के मामलों की बात करे तो यह संख्या अब 28 हजार के पार हो गई है। रविवार को सबसे ज्यादा 874 नए मामले मिले थे। हालांकि राज्य में अब तक 19132 लोग स्वस्थ हो कर घर लौट चुके हैं।

दुनिया के मुकाबले बेहतर हालात में भारत, दिनों दिन बढ़ रहा है रिकवरी रेटः मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सही समय पर सही फैसले लेने की वजह से कोरोना के मामले में भारत की स्थिति अन्य देशों के मुकाबले संभली हुई है। उन्होंने कहा कि आज भारत में पांच लाख से ज्यादा टेस्ट हर रोज हो रहे हैं और आने वाले हफ्तों में इसको 10 लाख प्रतिदिन करने की कोशिश हो रही है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में नोएडा, मुम्बई और कोलकाता में उच्च क्षमता वाली कोविड-19 परीक्षण सुविधाओं का शुभारंभ करने के बाद उक्त बातें कहीं। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी उपस्थित थीं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश में जिस तरह सही समय पर सही फैसले लिए गए आज उसी का परिणाम है कि भारत अन्य देशों के मुकाबले काफी संभली हुई स्थिति में है। आज हमारे देश में कोरोना से होने वाली मृत्यु बड़े-बड़े देशों के मुकाबले काफी कम है। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना से ठीक होने की दर भी अन्य देशों के मुकाबले बहुत ज्यादा है और दिनोंदिन सुधार भी हो रहा है। उन्होंने कहा, भारत में कोरोना संक्रमित होने के बाद ठीक होने वालों की संख्या करीब-करीब 10 लाख पहुंचने वाली है। उन्होंने कहा कि पहले हम वेंटिलेटर्स के लिए दूसरे देशों पर निर्भर थे लेकिन आज देश में 3 लाख वेंटिलेटर्स तैयार करने की क्षमता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अत्याधुनिक जांच केंद्रों की शुरुआत से पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में और ताकत मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि अब तीनों जगह कोरोना जांच जो उपलब्ध क्षमता है, उसमें 10,000 की क्षमता और जुड़ने जा रही है। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि हमें कोरोना योद्धाओं का विशेष ध्यान रखना है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन बनने तक मास्क और 2 गज की दूरी ही एक मात्र विकल्प है।

वैक्सीन बनने तक हाथ धोने पर विशेष ध्यान दें। त्योहारों के दौरान विशेष सावधानी रखनी है। हमें राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करनी हैं। हमने कम समय में स्वास्थ्यकर्मियों को ट्रेनिंग दी। बता दें कि देश में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या 14 लाख के पार पहुंच गई है, जबकि मरने वालों की संख्या 33 हजार के करीब पहुंच गई है। इनमें 4,86,449 एक्टिव केस हैं। वहीं, 9,22,843 लोग अब तक रिकवर हो चुके हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, आंध्र प्रदेश हैं।

बांगलादेश की पाक-चीन के साथ बढ़ी नजदीकियां, भारत से रिश्तों के बदले समीकरण

इटरनेशनल डेस्क।

बांग्लादेश भारत की मदद से पाकिस्तान से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बना। पूर्वी पाकिस्तान से विभाजित हुए बांगलादेश के शुरुआत से ही भारत के साथ बेहद मजबूत संबंध रहे। उधर पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच कभी तनाव कम ही नहीं हुआ। लेकिन पिछले कुछ दिनों में समीकरण बदलते दिख रहे हैं और पाकिस्तान-बांग्लादेश की नजदीकियां चर्चा में हैं। इस बीच बांग्लादेश का भारत के प्रति रवैया भी बदलता नजर आ रहा है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना पिछले चार महीनों में भारतीय उच्चायुक्त से मुलाकात करने से कतरा रही हैं। बांगलादेश के एक प्रमुख अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना तमाम अनुरोधों के बावजूद पिछले चार महीनों में भारतीय उच्चायुक्त से मुलाकात नहीं कर पाई हैं। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार भोरेर कागज की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री शेख हसीना के 2019 में सत्ता में आने के बाद से भारतीय परियोजनाओं की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है लेकिन चीनी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को ज्यादा समर्थन मिल रहा है। अखबार के संपादक श्यामल दत्ता ने पाकिस्तान और चीन की तरफ बांग्लादेश के झुकाव को लेकर लिखे एक आर्टिकल में कहा है कि भारत की चिंताओं के बावजूद, बांग्लादेश ने एक चीनी कंपनी को सिल्हट में एक एयरपोर्ट टर्मिनल बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है। भारत की उच्चायुक्त रीवा गांगुली पिछले चार महीनों से बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की कोशिश कर रही हैं लेकिन अभी तक उन्हें एंपॉइंटमेंट नहीं मिल सका है। बांग्लादेश ने कोरोना महामारी के दौरान भारतीय मदद को लेकर शुक्रिया अदा करने के लिए कोई नोट भी नहीं भेजा भारत की आपत्ति के बावजूद बीजिंग अर्बन कंस्ट्रक्शन ग्रुप (बीयूसीजी) को बांग्लादेश में सिल्हट के ओस्मानिया एयरपोर्ट में नया टर्मिनल बनाने को लेकर कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। भारत के लिए चिंता की बात ये है कि सिल्हट भारत के उत्तर पूर्वी हिस्से से लगता है ।

इसलिए भारत के लिए संवेदनशील इलाका है। पिछले कुछ महीनों से ढाका और बीजिंग की भी नजदीकियां बढ़ी हैं। चीन ने बांग्लादेशी उत्पादों को ड्यूटी फ्री कर दिया। चीन बांग्लादेश को कोरोना वायरस की लड़ाई में भी मेडिकल आपूर्ति के जरिए मदद कर रहा है। इसके अलावा, बांग्लादेश चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड में भी शामिल है।

हाल ही में, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को फोन किया था जिसे लेकर खूब चर्चा हुई। ढाका की तरफ से इस बातचीत को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी गई लेकिन पाकिस्तान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि इमरान खान ने शेख हसीना से कश्मीर के हालात पर चर्चा की और विवाद के समाधान पर जोर दिया। हालांकि, भारत ने गुरुवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के रुख की सराहना की। भारत ने कहा कि बांग्लादेश अपने पुराने रुख पर कायम है कि कश्मीर भारत का आंतरिक मुद्दा है।

उधर राफेल की भारत के लिए उड़ान और इधर हुआ राजनीतिक टेकऑफ

नई दिल्ली। राफेल लड़ाकू विमानों की पहली खेप के पांच जहाज सोमवार को फ्रांस से भारत के लिए उड़ान भरी। इन विमानों के बुधवार को अंबाला वायुसेना स्टेशन पहुंचने की उम्मीद है। भारत ने वायुसेना के लिए 36 राफेल विमान खरीदने के लिए चार साल पहले फ्रांस के साथ 59 हजार करोड़ रुपए का करार किया था। वायुसेना के बेड़े में राफेल के शामिल होने से उसकी युद्ध क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत को यह लड़ाकू विमान ऐसे समय में मिले हैं, जब उसका पूर्वी लद्दाख में सीमा के मुद्दे पर चीन के साथ गतिरोध चल रहा है। इधर राजनीति को भी पंख लग गए। पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने इसका स्वागत करते हुए राफेल खरीदने का श्रेय यूपीए सरकार के सिर बांधा। उनके बयान के बाद एक बार फिर राफेल की राजनीति ने विवाद के रनवे से उड़ान भर ली। भाजपा तुरंत पलटवार पर उतर आई। भाजपा का कहना है कि इसी राफेल को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने भ्रष्टाचार कहा था। इसे मुद्दा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा गया था। हर रैली में राफेल के कटआउट लहराए जाते थे और कहा जा रहा था कि सूटबूट की सरकार ने गरीबों का पैसा अमीरों की जेब में डाल दिया है। दूसरी ओर गर्व की बात यह है कि भारतीय वायुसेना चौथी पीढ़ी के स्टेल्थ लड़ाकू विमान से सुसज्जित हो गई है। वो भी ऐसे समय जब हमारे पड़ोसी अपनी हदें लांघने पर उतारू हैं। चीन लगातार सीमा पर नियमों का अपमान कर रहा है। दूसरी ओर गर्व की बात यह है कि भारतीय वायुसेना चौथी पीढ़ी के स्टेल्थ लड़ाकू विमान से सुसज्जित हो गई है। वो भी ऐसे समय जब हमारे पड़ोसी अपनी हदें लांघने पर उतारू हैं। चीन लगातार सीमा पर नियमों का अपमान कर रहा है।

बीमार मां से मिलने जा रहा था परिवार, एक हादसा और खत्म हो गईं 8 जिंदगी

छतरपुर। अपनी बीमार मां से मिलने जा रहे परिवार ने सोचा भी न होगा कि एक हादसा उनके पूरे के पूरे परिवार को खत्म कर देगा। दरअसल बमीठा थाना क्षेत्र के चंद्रनगर के पास पन्ना रोड में आज दोपहर हुए एक भयानक सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में एक सांप भी मारा गया है जो वहीं झाड़ियों में खून से लथपथ मिला है। सभी मृतक लड़कियां, दामाद, बच्चे और रिस्तेदार सूरजपुरा से बीमार मां को देखने बमीठा जा रहे थे। तीन मोटरसाइकिल और स्कार्पियो की जबरदस्त टक्कर में मोटरसाइकिल सवार सभी लोगों की मौत हो गई जिसमें 2 पुरुष 2 महिलाएं व 4 बच्चे शामिल हैं। वहीं स्कार्पियो सवार दो लोग घटना स्थल से फरार बताये जा रहे हैं। हादसा इतना दर्दनाक था कि सड़क पर लाशें तिनकों की तरह बिखरी पड़ी थी जिसमें एक बच्ची का सिर धड़ से अलग हो गया। घटना के बाद जायजा लेने छतरपुर एस.पी. सचिन शर्मा, खजुराहो एस.डी.ओ.पी. मनमोहन सिंह बघेल, सहित बमीठा थाना टी.आई. दिलीप पांडेय मौके पर पहुंचे। चौकी प्रभारी मोहर सिंह सिकरवार चन्द्रनगर, नायाब तहसीलदार चन्द्रनगर झाम सिंह, भी मौके पर मौजूद रहकर जांच विवेचना में लगे हैं। 1) राहुल पिता बालू उम्र 20 वर्ष निवासी सूरजपुरा, 2) देविन्द्र पिता बालू उम्र 9 वर्ष सूरजपुरा, 3) पप्पू पिता लीला उम्र 38 वर्ष जटकरा, 4) सुनीता पति भुवनीदीन उम्र 40 वर्ष सूरजपुरा, 5) रानी पुत्री खरगा उम्र 16 सूरजपुरा, 6) करन पिता भुवनीदीन उम्र 6 वर्ष सूरजपुरा, 7) ।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मंगल की ओर

कोरोना के समय भी अंतरिक्ष विज्ञान विकास का न रुकना न केवल सुखद, बल्कि स्वागतयोग्य भी है। विशेष रूप से मंगल अभियान की दिशा में जो प्रगति हुई है, वह बहुत प्रेरित करती है। अव्वल तो 19 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात दुनिया का पहला मुस्लिम देश हो गया, जिसने मंगल की ओर अपना यान भेजा है, दूसरी ओर, 23 जुलाई को चीन ने भी उधर अपना यान रवाना किया है। अब एशिया में भारत सहित तीन देश हो गए, जो मंगल की खोज में आगे बढ़े हैं। 1960 के बाद से करीब 60 अभियान मंगल की ओर गए हैं, लेकिन उनमें से 26 को ही थोड़ी या ज्यादा कामयाबी मिली है। इसलिए मंगल पर किसी खोज के लिए चलाया जाने वाला कोई भी अभियान पूरी दुनिया के लिए ही बहुत महत्व रखता है। वैसे चीन ने रूस के साथ मिलकर एक प्रयास 2011 में भी किया था, लेकिन वह यान पृथ्वी की कक्षा से बाहर नहीं निकल पाया था। इसके बाद भारत ने 2014 में अपने पहले ही प्रयास में मंगल की कक्षा में यान स्थापित कर इतिहास रच दिया। ध्यान रहे, तब चीन ने भी भारत की तारीफ की थी। फिलहाल चीन के अभियान की सफलता की प्रतीक्षा करनी चाहिए। उसने न केवल मंगल की कक्षा में घूमने वाला यान ऑर्बिटर रवाना किया है, बल्कि साथ में लैंडर और रोवर भी भेजे हैं। यूएई और चीन, दोनों के ही यान आगामी फरवरी में मंगल की कक्षा में पहुंच जाएंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि दोनों को सफलता मिले। अभी तक दुनिया में अमेरिका, रूस, यूरोपीय यूनियन और भारत को ही मंगल अभियान में सफलता मिली है। इसमें भी सबसे खास भारत की सफलता है, पहली ही बार में कामयाब भारत का यान अभी भी मंगल की परिक्रमा कर रहा है। चीन ने इस मिशन को तियानवेन नाम दिया है, यह दो सदी पुरानी एक कविता के शीर्षक पर आधारित है, जिसका अर्थ है, जन्नत से सवाल। वाकई, जब हम अंतरिक्ष में किसी भी अभियान में जुटते हैं, तब हमारी जिज्ञासा दूसरी दुनिया या जन्नत की खोज से जुड़ जाती है। ऐसी खोज सकारात्मक होती है और हमारे दिलो-दिमाग को सपने और खुशी देती है, जिसकी जरूरत आज कोरोना काल में बहुत ज्यादा है। अभी अमेरिका, यूरोप और भारत के करीब आठ अंतरिक्ष यान मंगल की सतह पर हैं या उसकी परिक्रमा कर रहे हैं, चीन और यूएई के यानों को अगर कामयाबी मिली, तो न केवल मुस्लिम देशों, बल्कि चीन को भी एक सकारात्मक दिशा मिलेगी। अमेरिका मंगल पर पहले भी रोवर स्थापित कर चुका है और जल्दी ही ज्यादा बड़ा रोवर भेजने वाला है। अपने अभियान के शुरू होने के बाद चीन ने जिस भावना का प्रदर्शन किया है, उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। चीन के एक वैज्ञानिक ने कहा है, 'यह चीनी अभियान एक वैज्ञानिक पहल है, किसी के साथ प्रतिस्पर्द्धा के लिए नहीं, बल्कि एक-दूसरे से सहयोग के लिए है'। चीन मंगल ग्रह पर पानी और बर्फ के संकेतों की खोज करेगा, उसके रोवर में 13 वैज्ञानिक उपकरण लगे हैं। चीन का यान उत्तरी गोलार्द्ध में एक मैदान, यूटोपिया प्लैनिटिया में उतरने की कोशिश करेगा। वहां लैंडर की मदद से रोवर तैनात करेगा। मंगल पर दक्षिणी यूटोपिया प्लैनिटिया में कोई भी खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि वैज्ञानिकों को लगता है, मंगल के इस हिस्से पर कभी महासागर था।

आज के ट्वीट

जनसेवा

गहलोत जी अगर आप वास्तव में आदरणीय श्री भैरों सिंह शेखावत जी के पथ पर चलना चाहते हैं तो आप अपने विधायकों को बाड़ेबंदी से निकालकर जनसेवा में जुट जाइए।

-- गजेन्द्र सिंह शेखावत

मुश्किल है सामुदायिक इम्यूनिटी हासिल करना

मुकुल व्यास

कोरोना वायरस से बचने के लिए पिछले कई दिनों से हम 'हर्ड इम्यूनिटी' की चर्चा सुन रहे हैं। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि आबादी के बड़े हिस्से के वायरस से संक्रमित होने पर लोगों में सामुदायिक इम्यूनिटी उत्पन्न हो जाएगी और वायरस का प्रकोप कम हो जाएगा। लेकिन स्पेन में कोरोना वायरस पर किए गए एक व्यापक अध्ययन से पता चला है कि सिर्फ पांच प्रतिशत लोगों में ही वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी उत्पन्न हुई। यानी आबादी के 95 प्रतिशत हिस्से पर अब भी वायरस का खतरा बरकरार है। लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से जाहिर है कि तथाकथित हर्ड इम्यूनिटी का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल ही नहीं, असंभव है। हर्ड इम्यूनिटी उस समय हासिल होती है जब आबादी का बड़ा हिस्सा वायरस या बैक्टीरिया से संक्रमित होता है अथवा उसे वैक्सीन दी जाती है। यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने कहा है कि हर्ड इम्यूनिटी के विचार को परखने के लिए स्पेन में किया गया अध्ययन बड़े स्तर पर हुआ है। इसमें करीब 61000 लोगों को शामिल किया गया। इससे पहले कुछ यूरोपीय देशों में इस विषय पर छोटे- मोटे अध्ययन हो चुके हैं। इससे पहले लैंसेट ने अपने 11 जून के अंक में जिनेवा में 2766 लोगों पर किए गए एंटीबॉडी अध्ययन का ब्योरा छापा था। चीन और अमेरिका में भी इस तरह के अध्ययन हुए हैं। इन सभी अध्ययनों का मुख्य निष्कर्ष यही है कि आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा वायरस के संपर्क में नहीं आया है। इन अध्ययनों में वे क्षेत्र भी शामिल हैं जहां वायरस व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। जिनेवा सेंटर फॉर इमर्जिंग वायरल डिजीज की प्रमुख इसाबेल एकरल और यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा के वायरोलॉजिस्ट बेंजामिन मेयर ने लैंसेट में अपनी टिप्पणी में कहा है कि नए अध्ययनों की रोशनी में कुदरती संक्रमण से हर्ड इम्यूनिटी हासिल करने का विचार अनैतिक है और विनाशकारी प्रभावों के बगैर ऐसे लक्ष्य को हासिल करना नामुमकिन है। डॉक्टर अभी यह तय नहीं कर पाए हैं कि वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी किस हद तक और कितने समय तक व्यक्ति का बचाव करेगी। अभी यह भी नहीं कहा जा सकता कि एंटीबॉडी की मौजूदगी से व्यक्ति दोबारा संक्रमित नहीं होगा। स्पेन में अध्ययन अप्रैल में शुरू हुआ था। उस समय देश में बहुत ही कड़ा लॉकडाउन था। स्पेन में किए गए अध्ययन का निष्कर्ष उन सभी देशों के लिए महत्वपूर्ण है जो इस समय वायरस से सबसे ज्यादा संक्रमित हैं। स्पेनी अध्ययन की प्रमुख लेखक मैरीना पोलान ने कहा कि कुछ विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि 60 प्रतिशत लोगों में वायरस रोधी एंटीबॉडी उत्पन्न होने से हर्ड इम्यूनिटी हासिल हो जाएगी। एक अन्य अनुमान के अनुसार हर्ड इम्यूनिटी हासिल करने के लिए 70 से 90 प्रतिशत लोगों में इम्यूनिटी होनी चाहिए। हम अभी इस संख्या से काफी दूर हैं। किसी कारगर वैक्सीन या इ्रग के अभाव में और कोविड-19 की पैथोलॉजी को ठीक से समझे बगैर लोगों को संक्रमित करके हर्ड इम्यूनिटी हासिल करने की कोशिश खतरनाक सिद्ध होगी। यदि संक्रमण को तेजी से बढ़ने दिया जाए तो हैल्थ सिस्टम चरमरा जाएगा और अनेक लोग मारे जाएंगे और यदि संक्रमण की रफ्तार कम की जाती है तो जिंदगी को सामान्य होने में वक्त लगता है और लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ता है। ब्रिटेन और स्वीडन जैसे देशों ने वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए कठोर कदम उठाने के बजाय सामान्य ढंग से रहने का फैसला किया था। उन्हें उम्मीद थी कि हर्ड इम्यूनिटी से स्थित संभल जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हर्ड इम्यूनिटी पर चर्चा करने से पहले हमें यह समझना होगा कि किसी भी नई बीमारी के सामने आने पर हमेशा बड़ी संख्या में लोग क्यों नहीं मरते। इसकी वजह यह है कि हमारे शरीर की प्रतिरोधी प्रणाली प्रत्येक बीमारी से लड़ने के लिए अपना पूरा जोर लगा देती है। इसके लिए वह अलग-अलग तरह के गोला बारूद या इम्यून रेस्पांस का प्रयोग करती है। कुछ मामलों में हम जल्दी ठीक हो जाते हैं और कुछ मामलों में संक्रमण के कुछ समय बाद ठीक हो जाते हैं। यदि कोई नया विषाणु हमला करता है तो हमारे शरीर को पहले इस नए शत्रु को समझना पड़ता है। इसके बाद ही शरीर नए रोग के खिलाफ इम्यूनिटी उत्पन्न करता है। विषाणु से हमारा संपर्क संक्रमण या वैक्सिनेशन के जरिए होता है। वैक्सिनेशन में आमतौर पर विषाणु के शिथिल रूप को ही शरीर में प्रविष्ट कराया जाता है ताकि भविष्य में विषाणु का हमला होने पर शरीर अपने असली दुश्मन को पहचान ले। इस बीच, एक अध्ययन से एक विचलित करने वाली बात यह सामने आई है कि कोविड-19 के खिलाफ इम्यूनिटी कुछ ही महीनों के बाद गायब हो सकती है। दूसरे शब्दों में, एक बार बीमार होने वाला व्यक्ति दोबारा सामान्य खांसी-जुकाम की तरह कोविड की चपेट में आ सकता है। किंग्स कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों ने 90 मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों के इम्यून रेस्पांस का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। इस खोज से सामुदायिक इम्यूनिटी के विचार को धक्का लगा है। किंग्स कॉलेज के वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि मरीज में लक्षण दिखने के बाद शरीर में एंटीबॉडी का स्तर शीर्ष तक पहुंचा लेकिन इसके बाद उसमें गिरावट शुरू हो गई। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक डॉ. कैटी डूरेस ने कहा कि लोग वायरस के खिलाफ समुचित एंटीबॉडी उत्पन्न कर रहे हैं लेकिन समय के साथ एंटीबॉडी का स्तर धीरे -धीरे कम होने लगता है। जो व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार होते हैं, वे सबसे ज्यादा एंटीबॉडी उत्पन्न करते हैं। उनमें एंटीबाडी का स्तर ज्यादा समय तक बना रहता है। इस अध्ययन से एक बात साफ है कि वैक्सीन भी स्थायी सुरक्षा नहीं प्रदान कर सकती। व्यक्ति को हर साल वैक्सीन की नई डोज देनी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने एक अन्य अध्ययन में यही निष्कर्ष निकाला है कि कोविड से ठीक होने वाले मरीज बहुत सुदृढ़ इम्यूनिटी उत्पन्न नहीं करते। उन्होंने 41 लोगों का अध्ययन करने के बाद पाया कि सिर्फ तीन लोग ही तगड़ा इम्यून रेस्पांस उत्पन्न कर पाए।

दूसरे संक्रमण के बाद उनकी एंटीबॉडी 50 प्रतिशत वायरस नष्ट कर सकती है। औसतन इम्यून सिस्टम द्वारा उत्पन्न एंटीबॉडी व्यक्ति के दोबारा संक्रमित होने पर सिर्फ 14 प्रतिशत कोरोना वायरस को ही नष्ट कर पाएगी और व्यक्ति के दोबारा बीमार पड़ने का खतरा बना रहेगा। आस्ट्रेलियाई रिसर्चरों का कहना है कि इस समय वैक्सीन का होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक बार कोविड होने से दूसरे संक्रमण से बचाव नहीं हो पाएगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

बोलना ही बंधन है

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक राजा के यहां एक राजकुमार ने जन्म लिया। राजकुमार स्वभाव से ही कम बोलते थे। राजकुमार जब युवा हुआ तब भी अपनी उसी आदत के साथ मौन ही रहता था, कुछ भी नहीं बोलता था। राजा अपने राजकुमार की चुप्पी से परेशान रहते थे कि आखिर ये बोलता क्यों नहीं है। आखिर ऐसा क्या हो गया है कि यह हमेशा चुप ही रहता है। राजा दिन-रात इसी चिंता में रहते थे कि राजकुमार की चुप रहने की आदत कब छूटेगी? राजा ने कई ज्योतिषियों, साधु-महात्माओं एवं चिकित्सकों को उन्हें दिखाया, उनसे सलाह ली, परन्तु कोई समाधान नहीं निकला। संतों ने कहा कि ऐसा लगता है पिछले जन्म में ये राजकुमार कोई साधु थे, जिस वजह से इनके संस्कार इस जन्म में भी साधुओं के मौन व्रत जैसे हैं। राजा ऐसी बातों से संतुष्ट नहीं हुए। एक दिन राजकुमार को राजा के मंत्री बगीचे में टहला रहे थे। उसी समय एक कौवा पेड़ की डाल पर बैठ कर कांव-कांव करने लगा। मंत्री ने सोचा कि कौवे कि आवाज से राजकुमार परेशान होंगे इसलिए मंत्री ने कौवे को तीर से मार दिया। तीर लगते ही कौवा जमीन पर गिर गया। तब राजकुमार कौवे के पास जा कर बोले कि यदि तुम नहीं बोले होते तो नहीं मारे जाते। इतना सुन कर मंत्री बड़ा खुश हुआ कि राजकुमार आज बोले हैं और तत्काल ही राजा के पास ये खबर पहुंचा दी। राजा भी बहुत खुश हुआ और मंत्री को खूब ढेर-सारा उपहार दिया। कई दिन बीत जाने के बाद भी राजककुमार चुप ही रहते थे। राजा को मंत्री की बात पे संदेह हो गया और गुस्सा कर राजा ने मंत्री को फांसी पर लटकाने का हुक्म दिया। इतना सुन कर मंत्री दौड़ते हुए राजकुमार के पास आया और कहा कि उस दिन तो आप बोले थे परन्तु अब नहीं बोलते हैं। मैं तो कुछ देर में राजा के हुक्म से फांसी पर लटका दिया जाऊंगा। मंत्री की बात सुन कर राजकुमार बोले कि यदि तुम भी नहीं बोले होते तो आज तुम्हें भी फांसी का हुक्म नहीं होता। बोलना ही बंधन है। जब भी बोलो उचित और सत्य बोलो अन्यथा मौन रहो। जीवन में बहुत से विवाद का मुख्य कारण अत्यधिक बोलना ही है। एक चुप्पी हजारों कलह का नाश करती है। राजा छिप कर राजकुमार की ये बातें सुन रहा था, उसे भी इस बात का ज्ञान हुआ और राजकुमार को पुत्र रूप में प्राप्त कर गर्व भी हुआ। उसने मंत्री को फांसी मुक्त कर दिया।

हौसला बढ़ाते प्रोत्साहन के शब्द

रेनू सैनी

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में उन्नति करने की सोचता है लेकिन केवल कुछ ही लोग अपने मार्ग पर सफलतापूर्वक चलकर मंजिल तक पहुंच पाते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है कि सभी सफल नहीं होते? इसका प्रमुख कारण है कि दरअसल सभी लोगों की आत्मा तक वह ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती जो उन्हें प्रगति के लिए प्रेरित करती है। इसलिए लोग हार मान कर बैठ जाते हैं। प्रोत्साहन केवल व्यक्ति के लिए ही नहीं अपितु प्रत्येक प्राणी के लिए एक ऐसी ऑक्सीजन है, जिसकी पूर्ति होने पर व्यक्ति शिखर तक पहुंच जाता है। विलियम आर्थर फोर्ड तो इस बात को स्वीकार करते हुए कहते हैं कि, 'मेरी चापलूसी करेंगे तो शायद मैं आपकी बात का विश्वास नहीं करूंगा। मेरी आलोचना करेंगे, तो शायद मैं आपको पसंद नहीं करूंगा। मुझे प्रोत्साहित करेंगे तो मैं आपको कभी भूल ही नहीं पाऊंगा।' यह सत्य है। प्रत्येक व्यक्ति उस व्यक्ति व स्थिति का सदैव ऋणी रहता है, जिससे उसे प्रोत्साहन प्राप्त होता है। प्रोत्साहन के अभाव में लोग जीवन की दौड़ में स्वयं को बेहद पीछे पाते हैं। वहीं जरा सा प्रोत्साहन व्यक्ति के न केवल हुनर को सामने लेकर आता है, अपितु उसकी एक नई पहचान भी बनाता है। वर्ष 1903 का समय था। एक मजबूत व्यक्तित्व की स्वामिनी स्ट्रीट कार से न्यूयॉर्क की यात्रा पर गई हुई थी। वहां पर उन्हें अपने रियल एस्टेट बिजनेस के संबंध में एक ग्राहक से मिलना था। सर्दियों का समय था। बर्फबारी हो रही थी। ऐसे में बर्फ कार के विंडशील्ड पर जम जाती। ऐसे में गाड़ी रोककर विंडशील्ड से बर्फ की परत को हटाकर, उसे कपड़े से अच्छी तरह साफ करना पड़ता था। लेकिन बर्फबारी के कारण कुछ आगे बढ़ते ही फिर से विंडशील्ड बर्फ से ढक जाती। इससे महिला को बेहद दिक्कत का सामना करना पड़ा। वह गाड़ी में बैठे साथी से बोली, 'ऐसे तो हमें बहुत देर हो जाएगी।' साथी मैडम की प्रतिभा से परिचित था। वह बोला, 'आपके अंदर नई चीजों को ढूंढ़ने की जबरदस्त प्रतिभा है। अगर आप इस ओर ध्यान लगाएं तो मैं पक्का कह सकता हूं कि आप इसका कोई न कोई उपाय ढूंढ़ ही लेंगी।' महिला काफी देरी से ग्राहक के यहां पहुंची, तब तक ग्राहक वहां से जा चुका था। इससे उनका जाना व्यर्थ हो गया और उनके व्यवसाय का सौदा भी हाथ से निकल गया। विंडशील्ड पर बार-बार बर्फ गिरने के कारण ही उन्हें देरी हुई थी। यह देखकर उनके मन में अपने साथी के शब्द बार-बार गूंजते रहे कि वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। साथी के प्रोत्साहन के कारण महिला का आत्मविश्वास बुलंद था। उन्होंने उसी समय मन में निर्णय किया कि कुछ ऐसा करना होगा, जिससे कि बदलते मौसम का असर गाड़ी पर न पड़े और चालक एवं गाड़ी में सवार अन्य व्यक्ति सहजता से सफर करें ताकि उन्हें परेशानी का सामना न करना पड़े। घर लौटकर उन्होंने दिन-रात इस पर काम करना आरंभ कर दिया। एक दिन घर की सफाई करते समय उन्होंने ध्यान दिया कि फर्श पर पड़े पानी को वाइपर से बहुत अच्छी तरह साफ किया जा सकता है। उन्होंने स्वयं अनेक बार ऐसा करके देखा। अब उनके दिमाग ने तेजी से काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने एक विशाल 'टी' के आकार के विंडशील्ड वाइपर का निर्माण किया। इसे कार के अंदर से संचालित किया जा सकता था। उन्होंने तुरंत अपने इस आविष्कार को पेंटेट करा दिया। ये महिला कोई और नहीं बल्कि मैरी एंडरसन थीं। ऑटोमोबाइल्स के इतिहास में मैरी एंडरसन ने एक महत्वपूर्ण आविष्कार किया था। यदि उस दिन मैरी एंडरसन को प्रोत्साहन नहीं मिला होता तो शायद आज भी गाड़ी पर से पानी अथवा बर्फ साफ करने के लिए बार-बार नीचे उतरना पड़ता। प्रोत्साहन सफलता का उत्प्रेरक है। इसमें अद्वितीय शक्ति होती है। आखिर प्रोत्साहन क्या होता है? प्रोत्साहन वह होता है, जिसे सुनकर दूसरे व्यक्ति को अंतर्मन से अच्छा महसूस होता है। प्रोत्साहन का रूप शब्द, मुस्कराहट, इनाम, मदद आदि हो सकते हैं। यूसीएलए के बास्केटबॉल कोच जॉन वुडन अपने खिलाड़ियों से कहते थे कि जब वे स्कोर करें तो अच्छा पास देने वाले खिलाड़ी की ओर देखकर मुस्कराएं। इससे अच्छा पास देने वाले खिलाड़ी का उत्साह चरम पर पहुंच जाएगा और वह अधिक प्रयत्न करेगा। एक सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की आलोचना अधिक और प्रोत्साहन कम करते हैं, वे बच्चे जीवन में उतने अधिक कामयाब नहीं हो पाते। वहीं जिन बच्चों को माता-पिता से प्रोत्साहन प्राप्त होता रहता है, वे औसत होने पर भी जीवन में कामयाब हो जाते हैं। मगर, हां प्रोत्साहन और चापलूसी दोनों अलग-अलग हैं। चापलूसी इनसान अपने लाभ के लिए करता है और इसमें बेवजह की प्रशंसा अधिक होती है। वहीं प्रोत्साहन प्रतिभाशाली व्यक्ति को कहीं से भी प्राप्त हो सकता है और यह गुणों पर ही आधारित होता है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

आरबीआई फिर घटा सकता है ब्याज दरें, 0.25फीसदी की हो सकती है कटौती

मुंबई। कोरोना संकट से जूझ रही अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में एक बार फिर कटौती कर सकता है। जानकारों के मुताबिक अगली मौद्रिक नीति समीक्षा में आरबीआई प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 फीसदी की और कटौती कर सकता है। की आगामी तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक 4 अगस्त को शुरू होगी और 6 अगस्त को गवर्नर शक्तिकांत दास इस बारे में जानकारी देंगे। कोविड-19 महामारी के प्रकोप से अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान और लॉकडाउन के असर को सीमित करने के लिए रिजर्व बैंक लगातार कदम उठा रहा है। इससे पहले एमपीसी की बैठक मार्च और मई में हो चुकी है, जिनमें नीतिगत रेपो दरों में कुल 1.15 फीसदी कटौती की गई। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हाल में आई तेजी, खासकर मांस, मछली, अनाज और दालों की वजह से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई जून में बढ़कर 6.09 हो चुकी है। रिजर्व बैंक खुद ही कह चुका है कि महंगाई का सुविधाजनक स्तर 4 फीसदी (इसमें 2 फीसदी प्लस या माइनस हो सकता है) ही है यानी अब महंगाई रिजर्व बैंक के सुविधाजनक दायरे से बाहर हो चुकी है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक इक्रा की प्रिंसिपल इकोनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा, हम रेपो दर में 0.25 फीसदी और रिवर्स रेपो दर में 0.35 फीसदी कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। नायर ने कहा, हालांकि, खुदरा महंगाई एमपीसी के लक्ष्य दो-छह प्रतिशत के दायरे को पार कर गई है, लेकिन इसके अगस्त 2020 तक वापस इस सीमा के भीतर फिर आने की उम्मीद है। इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ राजकिरण राय ने कहा, 0.25 फीसदी कटौती की संभावना है या वे दर को यथावत रख सकते हैं।

एनसीडीईएक्स सोमवार को तीन कृषि उपजों के ऑप्शन कारोबार की शुरुआत करेगा

मुंबई। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) सोमवार को तीन कृषि उपजों - सरसों, गेहूं और मक्का के लिए ऑप्शन कारोबार की शुरुआत करेगा. एनसीडीईएक्स ने रविवार को एक वेबिनार में कहा कि तीनों जिंसों में अक्टूबर और नवंबर के महीनों में समाप्त होने वाले अनुबंध 27 जुलाई से व्यापार के लिए उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही एनसीडीईएक्स कृषि वस्तुओं में ऑप्शन कारोबार की शुरुआत करने वाला देश का पहला एक्सचेंज बन जाएगा।

मर्सिडीज-बेंज को सकारात्मक धारणा के दम पर त्योहारी मौसम में बिक्री में और सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज बेंज को उम्मीद है कि त्योहारी मौसम में बिक्री में और सुधार देखने को मिलेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि जिन इलाकों में कोविड-19 पाबंदियों को लेकर परिस्थितियां स्थिर हैं, उन इलाकों में सकारात्मक उपभोक्ता धारणा विकसित हो रही है। कंपनी की इस साल भारत में कम से कम 10 नए मॉडल उतारने की योजना है। कंपनी अपनी इस योजना पर अब भी कायम है। हालांकि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की दिक्कतों के कारण इसमें देरी हो सकती है। मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्टिन श्वेंक ने कहा, ''मैं आशावादी हूं। हालांकि, अक्टूबर, नवंबर या जब भी बिक्री सुधरे, यह बहुत बड़ा नहीं होने वाला है, क्योंकि मुझे यकीन है कि तब भी पाबंदियां रहेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत में कोरोना वायरस महामारी के प्रबंधन पर बहुत कुछ निर्भर करेगा, विशेष रूप से लोगों के आने-जाने की स्वतंत्रता और इस बात पर कि देश की अर्थव्यवस्था कैसे बढ़ती है। उन्होंने दोहराया कि भारत को लेकर कंपनी का मध्यावधि व दीर्घावधि का दृष्टिकोण मजबूत और अपरिवर्तित बना हुआ है।

54 लाख पेंशनर्स को एसबीआई ने दिया तोहफा, लॉन्च की पेंशन सेवा वेबसाइट

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने 54 लाख पेंशनर्स के लिए एसबीआई पेंशन सेवा वेबसाइट लॉन्च की है। इस वेबसाइट पर लॉगइन करके ग्राहक अपनी पेंशन के बारे में जानकारी ले सकते हैं। एसबीआई पेंशन सेवा वेबसाइट का इस्तेमाल करना काफी आसान है। इसका सीधा फायदा आम जनता को मिलेगा। आइए आपको बताते हैं कि आप कैसे इस वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं। पेंशन में अकाउंट रखने वाले खाताधारकों को इस वेबसाइट का इस्तेमाल करने से पहले खुद को इस पर रजिस्टर कराना होगा। इसके लिए आपको ऑफिशिल इसके बाद टॉप में दिए गए रजिस्ट्रेशन टैब पर क्लिक करें। अब मिनिमम 5 कैरेक्टर वाले यूजर आईडी क्रिएट करें। अब ग्राहक अपना पेंशन अकाउंट नंबर एंटर करें। इसके बाद जन्मतिथि डालें। पेंशन का पेमेंट करने वाली बैंक ब्रांच का कोड एंटर करे। अब अपनी रजिस्टर मेल आई डालें। अब नया पासवर्ड जेनरेट करें और सेव करके रख लें। सेव कर लें आईडी-पासवर्ड रजिस्ट्रेशन हो जाने के बाद में ग्राहक की रजिस्टर्ड मेल आईडी पर मेल भेज दिया जाएगा। इसमें आपके अकाउंट एक्टिवेशन के लिए लिंक भी दिया रहेगा। अकाउंट एक्टिव हो जाने पर पेंशनर रजिस्टर्ड आईडी व पासवर्ड से वेबसाइट पर लॉग इन कर सकता है। ध्यान रहे कि लॉग इन के लगातार 3 असफल प्रयासों के बाद अकाउंट अपने आप लॉक हो जाएगा। पेंशनर इस तरह कर सकते हैं शिकायत् अगर कोई भी पेंशनर बैंक की सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है तो वह बैंक से शिकायत कर सकता हैं। बता दें बैंक से शिकायत करने के लिए आप इन नंबरों पर कॉल कर सकते हैं

कैट ने जारी की 'अक्साई चीन, पीओके भारत का है संदेश वाली राखियां

नई दिल्ली। खुदरा व्यापारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को विशेष राखियां जारी की, जिनमें यह संदेश दिया गया है कि अक्साई चीन और पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का है। कैट ने एक बयान में कहा कि भारतीय सैनिकों के साहस और दृढ़ संकल्प को श्रद्धांजलि के रूप में उसने ये राखियां जारी की हैं। कैट पहले ही चीन की वस्तुओं के बहिष्कार के अभियान की अगुवाई कर रहा है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इन विशेष राखियों को देश की मिट्टी से तैयार किया गया है और इनमें रोपे जाने योग्य पौधों के बीज डाले गये हैं। राखियों के दोनों ओर विशेष संदेश के स्टिकर चिपकाए गए हैं। उन्होंने कहा कि दो अगस्त को, रक्षाबंधन से एक दिन पहले, देश भर के व्यापारी नेता सभी राज्यों के विभिन्न शहरों में सेना अस्पताल जाएंगे और सैनिकों को राखी बांधेंगे। उल्लेखनीय है कि 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध की घोषणा की गई थी। भारतीय सैनिकों ने उस युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे जाने के लिए मजबूर कर दिया था। इस दिन को भारत जीत के उपलक्ष्य में कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

एलायंस एयर 30 जुलाई से फिर से शुरू करेगी मुंबई-दीव-भावनगर रूट की उड़ान

अहमदाबाद। सार्वजनिक क्षेत्र की उड्डयन कंपनी एयर इंडिया के पूर्ण स्वामित्व वाली इसकी सहयोगी कंपनी एलायंस एयर ने आज कहा कि यह मुंबई से दीव होते हुए गुजरात के भावनगर तक की अपनी उड़ान 30 जुलाई से फिर से शुरू कर रही है। कंपनी की आज जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह उड़ान हर सप्ताह तीन दिन सोमवार, गुरुवार और शनिवार को होगी। इसके लिए 70 सीटों वाले एटीआर 72 विमान का इस्तेमाल होगा और यह मुंबई से यह उड़ान संख्या 9आइ 623 के रूप में सुबह साढ़े नौ बजे उड़ कर 1035 बजे दीव और वहां से 1115 बजे उड़ान भर कर 1205 बजे भावनगर पहुंचेगी। वापसी में यह भावनगर से उड़ान संख्या 9आइ 624 के रूप में 1245 में उड़ कर 1335 में दीव पहुंचेगी। वहां से 1410 में उड़ान भर 1515 में मुंबई पहुंच जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कोरोना महामारी के मद्देनज़र उड़ान के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

मॉन्डेलीज़ इंडिया की नई कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड कॉफी

नई दिल्ली।

देश की बेहतरीन सेंटर फिल्ड इक्लेयर कैंडी 'कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड ने एकदम नया वैरिएंट 'कैडबरी चॉक्लेयर्स गोल्ड कॉफी लॉन्च किया है। यह नया इनोवेशन फ्लेवरिज्म में पहली बार ब्रांड के प्रवेश को दर्शाता है जिसमें कैडबरी के जाने-पहचाने स्वाद के साथ रियल मीडियम अरेबिका कॉफी पाउडर के एसेंस का संयोजन किया गया है। यह अपने उपभोक्तीओं को 'कॉफी का मीठा बम देता है। फिलहाल उपभोक्ता घर में हीहैं और खाने के अनूठे अनुभवों की तलाश में हैं, इसे देखते हुए 'कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड कॉफी ब्रांड के घर पर मीठाखाने वालेपोटर्फोलियो को और मजबूत करने में मददगार होगी। इसे उभरते हुए चैनलों में बड़ी पैक सेल्स की बदौलत आगे बढ़ाया जाएगा। मॉन्डेलीज़ इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर - मार्केटिंग (गम, कैंडी एंड बेवरेजेस) इंदरप्रीत सिंह ने इस रोमांचक नए लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा,''कैडबरी के बेहतरीन स्वाद और प्यार की विरासत से सराबोर उपभोक्ताओं के लिए यह एक आसानी से उपलब्धा स्मॉल ट्रीट की तरह है। कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्डब का सफर ब्रांड की इसी मजबूत बुनियाद पर टिका हुआ है। कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड कॉफी हमारे उपभोक्ताओं को उनके घरों के सुकून में एक और मीठा खाने का आनंद लेने में मददगार फ्लेवरिज्म में हमारा पहला कदम है। इसके दिल में कॉफी और चॉकलेट का ऐसा संयोजनहै, जिसे चखने से इंकार किया ही नहीं जा सकता। इसके चलते हमें यकीन है कि यह इनोवेशन हमारे ब्रांड के साथ उपभोक्ता के अनुभव को ज्यादा आनंददायक बनाते हुए इन-होम स्नैकिंग सेगमेंट में हमारी पोजिशन को और मजबूत करेगा। कैडबरी चॉकलेयर्स को पहले कैडबरी इक्लेयर्स के रूप में जाना जाता था। 1971 में अपने लॉन्च के बाद से इसने इक्लेयर कैंडी फॉरमेट में परफैक्ट कैडबरी टेस्ट की पेशकश करते हुए कैटेगरी में अग्रणी स्थान बनाए रखा है। इसने उपभोक्ताओं के लिए गोल्ड स्टैंडड 'को परिभाषित किया है। वर्ष 2015 में इसी रणनीतिक महत्व से प्रीमियम वैरिएंट, कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड को 2 रुपए प्रति यूनिट में लॉन्च किया गया था। इसके बाद से इसने जन्मदिन जैसे खास मौकों पर कंपनी की प्रासंगिकता और बढ़ाई है तथा उभरते चैनलों पर ध्यान केंद्रित करके विस्तार किया है। सबसे नए इनोवेशन कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड कॉफी के लॉन्च के साथ, कंपनी का लक्ष्य उपभोक्ताओं को स्नैक के लिए एक और स्वाादिष्टाट्रीट उपलब्ध कराते हुए बाजार में अपनी पहुंच को और मजबूत बनाना है। कैडबरी चॉकलेयर्स गोल्ड कॉफी के 60 यूनिट वाले पैक की कीमत 116 रुपये और 115 यूनिट वाले पैक की कीमत 200 रुपए है। यह सभी मॉडर्न ट्रेड, पारंपरिक व्यवसाय और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है।

वाणिज्य मंत्रालय के जीईएम के साथ होगा रेलवे की ई-खरीद प्रणाली का एकीकरण: अधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय रेल की ई-खरीद प्रणाली और वाणिज्य मंत्रालय के खरीद पोर्टल 'गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस' (जीईएम) मिलकर दोनो मंचों के एकीकरण पर काम कर रहे हैं। इस कदम से जीईएम का दायरा बढ़ेगा और खरीद-बिक्री की प्रक्रिया में भी बढ़ोतरी होगी। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया इस समय भारत सरकार के खरीद पोर्टल 'जीईएम' और भारतीय रेलवे की इलेक्ट्रॉनिक खरीद प्रणाली (आईआरईपीएस) और एकीकृत सामग्री प्रबंधन प्रणाली (आईएमएमएस) के एकीकरण की संभावनाओं और व्यवहार्यताओं का मूल्यांकन किया जा रहा है। उन्होंने बताया, 'यह एक तकनीकी एकीकरण है। इससे एक समेकित खरीद प्रणाली बनाने में मदद मिलेगी। हम एकीकरण की संभावनाएं तलाश रहे हैं। हम पहले मूल्यांकन कर रहे हैं और फिर एकीकरण किया जाएगा।' मूल्यांकन के बाद रेलवे और जीईएम आगे के कदम पर फैसला लेंगे। एकीकरण की प्रक्रिया के बारे में अधिकारी ने बताया, 'हम दोनों मंचों के बीच एक पुल का निर्माण करेंगे। रेलवे ई-खरीद प्रणाली पर बोली के लिए जो भी डेटा प्रकाशित करता है, उस डेटा का इस्तेमाल जीईएम के मार्केट प्लेस मॉडल पर भी किया जा सकता है।'जीईएम मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों के लिए जीईएम मंत्रालयों, विभागों और एजेंसियों के लिए खरीद और बिक्री की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कई उपाय कर रहा है।

अर्थव्यवस्था में बदलाव पर होगा ध्यान, कृषि आय में वृद्धि के लिए नीतियों की जरूरत: गवर्नर

बिजनेस डेस्क।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री को संबोधित करते हुए कि बदलती परिस्थितियां भारतीय इकोनॉमी के पक्ष में हैं। दास ने कहा कि हमें कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ मजबूती से लड़ने की जरूरत है। महामारी की वजह से देश में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि के लिए अर्थव्यवस्था में बदलाव पर ध्यान होगा। दास के अनुसार, भारत को कृषि आय में निरंतर वृद्धि के लिए नीतियों की आवश्यकता है। हालांकि हाल के कृषि सुधारों ने नए अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के लिए बेहतर वृद्धि की संभावनाएं हैं। ग्रोथ को गति देने में इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका अहम है और बदले हालात का मजबूती से सामना करने की आवश्यकता है। विश्व बैंक की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक, जीवीसी (ग्लोबल वैल्यू चेन) की भागीदारी में एक फीसदी की वृद्धि से देश की प्रति व्यक्ति आय का स्तर एक फीसदी से अधिक बढ़ सकता है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की बातचीत जल्द पूरा करने पर ध्यान देने की जरूरत। बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में काम काज बढ़ाने से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र दोनों को इस क्षेत्र के विकास में प्रमुख भूमिका निभानी चाहिए। रिजर्व बैंक का मुद्रा की विनिमय दर के लिए कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं है, लेकिन अनावश्यक घट-बढ़ पर नजर रहेगी। आगे उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक पूरी तरह से सजग है, जब भी कदम उठाने की जरूरत होगी उसमें कोताही नहीं बरती जाएगी। बैंकों को सलाह दी गई है कि वह प्रतिकूल परिस्थितियों में दबाव सहने की क्षमता का परीक्षण करें और चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए पूंजी जुटाएं। दास ने कहा कि भारत को अमेरिका और अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने पर ध्यान देने की जरूरत है। इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को प्रोत्साहित करने से वृद्धि को नई गति दी जा सकती है। बुनियादी ढांचा के विकास में प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर दोनों को अहम भूमिका निभानी होगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि बॉन्ड मार्केट में एक बार से गतिविधियां देखने को मिली हैं। पहली तिमाही में 1 लाख करोड़ रुपए के कॉरपोरेट बॉन्ड जारी किए गए। दास ने उद्योग को आश्वस्त करते हुए कहा कि बहुत अधिक सतर्क है और जरूरत पड़ने पर कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। दास ने कहा कि हाल में कृषि क्षेत्र में किए गए सुधारों से नए अवसरों के द्वार खुले हैं। उन्होंने कहा कि कृषि से होने वाली में लगातार वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों की जरूरत है।

ल्युपिन, ग्रैन्यूलस इंडिया ने अमेरिकी बाजार से मधुमेह दवा की 9.71 लाख शीशियां वापस मंगाई

नई दिल्ली। दवा बनाने वाली कंपनियां ल्यूपिन और ग्रैन्यूल्स इंडिया ने स्वीकार्य सेवन स्तर से अधिक नाइट्रोसोडिमिथाइलमाइन (एनडीएमए) होने की आशंका के चलते अमेरिकी बाजार से मधुमेह की जेनरिक दवा की 9.71 लाख शीशियों को वापस मंगाने की घोषणा की है। एनडीएमए की अधिक मात्रा से कैंसर हो सकता है। अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की ताजा प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार ल्यूपिन 500 मिलीग्राम और 1,000 मिलीग्राम क्षमता वाली मेटफोर्मिन हाइड्रोक्लोराइड की 4,92,858 शीशियों को वापस ले रही है। दूसरी ओर हैदराबाद स्थित ग्रैन्यूल्स इंडिया 750 मिलीग्राम क्षमता वाली 4.78 लाख से अधिक बोतलों को वापस मंगवा रही है। यूएसएफडीए के अनुसार कंपनियां मौजूदा अच्छी विनिर्माण व्यवहार (सीजीएमपी) से हट जाने के कारण उत्पादों को वापस ले रही हैं।

कोरोना ने बदला स्टेशन का नक्शा, बैग सैनिटाइज करने के लिए रेलवे ने लगाई खास मशीन

बिजनेस डेस्क।

कोरोना काल में भारतीय रेलवे ने न सिर्फ यात्रियों के सैनिटाइजेशन की व्यवस्था की है बल्कि उनके सामान भी सैनिटाइज हो रहे हैं। रेलवे ने एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। रेलवे ने पश्चिमी रेलवे के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर की है, जहां पर यूवी टेक और बैगेज रैपिंग सैनिटाइजेशन मशीन लगाई है। रेलवे ने ये पहल न्यू इनोवेटिव नॉन फेयर रेवेन्यू आइडिया स्कीम योजना के तहत की है। पीएम मोदी के आह्वान के बाद अब आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देने में रेलवे जुटा हुआ है। रेलवे की ओर से कई इनहाउस इनोवेशन किए गए हैं। इसमें सतर्क करने के लिए घंटे से लेकर कोच के अंदर सीसीटीवी जैसे कुल 20 नए इनोवेशन किए गए हैं।

इसकी जानकारी खुद रेल मंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट के जरिए दी। उन्होंने इसका एक पूरा वीडियो ट्वीट किया था। रेलवे के इनोवेशन में सतर्कता घंटी भी शामिल है। ट्रेन रवाना होने से पहले यात्रियों को सतर्क करने के लिए बजेगी घंटी यानी अगर कोई यात्री पानी लेने या कुछ खाने का सामान लेने के लिए ट्रेन से उतरा है तो उसे तुरंत ये पता चल जाएगा कि ट्रेन चलने वाली है और वह ट्रेन में चढ़ जाएगा। इससे लोगों की ट्रेन छूटने की आशंका कम हो जाएगी। रेलवे में आए दिन कोच के अंदर मारपीट, चोरी या लूट जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं। इनसे निपटने के लिए रेलवे ने कोच के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया है। शुरुआत हो चुकी है और इससे ट्रेन में होने वाली चोरी और मारपीट जैसी घटनाओं में तेजी से कमी आएगी। रेलवे के इनोवेशन में बिजली खर्च नहीं करने वाला पानी का कूलर भी है, जिसे बोरीवली, दहानू रोड, नंदुरबार, उधना और बांद्रा रेलवे स्टेशनों पर लगाए गए हैं। इससे रेल यात्रियों को पीने का साफ पानी मुहैया कराया जा सकेगा, वो भी बिना बिजली की खपत किए। रेलवे के इस कदम की खूब सराहना हो रही है। रेलवे ने ऐसे ही एक दो नहीं, बल्कि कुल 20 इनोवेशन करने का फैसला किया है, जिनसे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाई जा सके और उन्हें बेहतर सुविधाएं भी मुहैया कराई जा सकें।

सरकार की गलत पालिसी से टैक्सटाइल्स उद्योग आर्थिक संकट में घिरा

जैतो।

भारत के विभिन्न कपास उत्पादन राज्यों में अब तक लगभग 3.68 करोड़ गांठों की आमद मंडियों में आने की सूचना है। देश में आजकल रोजाना कपास आमद कम होकर 20000-22000 गांठों की रह गई है। किसानों के पास लाखों गांठों की कपास अभी तक बेचने वाली बाकी है। माना जाता है कि किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कपास बेचने को लेकर निजी व्यापारियों को कपास नहीं बेची। कपड़ा मंत्रालय के उपक्रम भारतीय कपास निगम लिमिटेड ने घोषणा की थी कि निगम पुरा सीजन सितम्बर तक किसानों की कपास खरीदेगा लेकिन अब निगम की खरीद बेतहाशा कमजोर है। चीन विश्व का सबसे बड़ा कपास उत्पादन देश होने के साथ सबसे बड़ा उपभोक्ता देश भी है। दूसरा स्थान कपास उत्पादन में भारत का आता है।

इससे पहले उत्पादन में दूसरा स्थान अमरीका का था। भारतीय किसानों ने आगामी नए कपास सीजन साल 2020-21 के लिए अभी तक देश में कपास की बुआई 118.05 लाख हैक्टेयर भूमि में कर ली है और कुछ राज्यों में बुआई तेजी से चल रही है। पिछले साल देश में कपास की कुल बुआई 126.99 लाख हैक्टेयर में हुई थी। विश्व भर में कपास उत्पादन 10-11 करोड़ गांठों से अधिक होता है। भारत में इस बार कपास की बुआई के दौरान बारिश काफी अच्छी रही है। यदि मौसम आगे भी अनुकूल रहा तो इस साल भी भारत में कपास उत्पादन विश्व स्तरीय रिकॉर्ड रहेगा। देश में आगामी नए कपास सीजन के दौरान 4 से 4.25 करोड़ गांठों के उत्पादन होने के कयास लगाए जा रहे हैं जबकि चीन में यह उत्पादन 5 करोड़ गांठों से अधिक रहने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार भारत में सरकार की गलत पालिसी के कारण भारतीय टैक्सटाइल्स उद्योग डूबों कर रख दिया है। आज यह उद्योग भारी आर्थिक नीतियों से झूझ रहा है। हैरत की बात है कि पी.एम.ओ., कपड़ा मंत्री व कपड़ा मंत्रालय भारतीय टैक्सटाइल्स उद्योग की वर्तमान आर्थिक स्थिति और उसके कारोबार के बारे में सब कुछ जानकार होते हुए भी अनजान बने हुए हैं जबकि देश में सबसे अधिक रोजगार टैक्सटाइल्स उद्योग देता है। लाखों लोगों को रोजगार देने वाला यह उद्योग आज अपने रोजगार को बचाने में चिंता में डूबा हुआ है। टैक्सटाइल्स उद्योग को लेबर की बड़ी तंगी–उत्तरी क्षेत्रीय राज्यों जिनमें पंजाब, हरियाणा व राजस्थान शामिल हैं, के टैक्सटाइल्स उद्योग व कताई मिलों को आजकल लेबर की भारी तंगी सता रही है।

हजीरा बंदरगाह लाइसेंस- आर्सेलरमित्तल की गुजरात सरकार, एस्सार समूह को न्यायालय में चुनौती

अहमदाबाद।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड (एएमएनएसआईएल) ने गुजरात सरकार और एस्सार बल्क टर्मिनल लिमिटेड के खिलाफ गुजरात उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर हजीरा बंदरगाह लाइसेंस को अपने नाम पर हस्तांतरित किये जाने की मांग की है। एक दिवालाशोधन प्रक्रिया के तहत एस्सार स्टील को खरीदने के चंद दिनों के भीतर, एएमएनएसआईएल ने गुजरात मैरीटाइम बोर्ड को एक आवेदन किया था, जिसमें अनुरोध किया गया था कि लाइसेंस उसे हस्तांतरित किया जाए। हालांकि, सरकार को इस मामले पर अभी फैसला करना बाकी है, एएमएनएसआईएल ने अदालत से गुहार लगायी है कि एस्सार बल्क टर्मिनल लिमिटेड (ईबीटीएल) एक नॉमिनी या ट्रस्टी के रूप में कैप्टिव लाइसेंस रखती है। आर्सेलर मित्तल निप्पॉन ने अनुच्छेद 226 के तहत यह याचिका दायर की है। आर्सेलर मित्तल ने इस बार में प्रतिक्रिया के लिये भेजे गये ईमेल और फोन कॉल का जवाब नहीं दिया। एस्सार स्टील के पास गुजरात के हजीरा में एक करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता का इस्पात संयंत्र है। इसे बंदरगाह पर निर्मित निजी इस्तेमाल वाले घाट (जेट्टी) से सुविधाएं प्राप्त होती है। इस बारे में संपर्क किये जाने पर एस्सार पोर्ट्स के एक अधिकारी ने कहा, यह अफसोसजनक है कि आर्सेलर मित्तल और निप्पॉन स्टील इस तरह के घिनौने और कानूनी रूप से अस्थिर दावे को आगे बढ़ा रही हैं।

आर्सेलर मित्तल आदतन ऐसा कर रही है। हमें आश्चर्य है कि निप्पॉन स्टील भी इस तरह के दृष्टिकोण का समर्थन कर रही है। उनका दावा पार्टियों के बीच हस्ताक्षरित समझौतों का उल्लंघन है और उनके द्वारा प्रस्तुत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित संकल्प योजना का भी उल्लंघन है। उनका एकमात्र उद्देश्य गैरकानूनी तरीके से लाभ कमाना प्रतीत होता है। हमें इस बात का भरोसा है कि न्यायिक अधिकारी इस तथ्य पर गौर करेंगे और याचिका पर उसी हिसाब से सुनवाई करेंगे।'' आर्सेलर मित्तल इससे पहले एस्सार बल्क टर्मिनल लिमिटेड द्वारा गुजरात सरकार की नयी बंदरगाह नीति को चुनने का भी विरोध कर चुकी है। एस्सार बल्क टर्मिनल लिमिटेड ने भी गुजरात सरकार के पास इस बात की शिकायत की है कि आर्सेलर मित्तल और निप्पॉन स्टील 450 करोड़ रुपये से अधिक के भुगतान में चूक कर रही हैं, जो बंदरगाह का बकाया है। एस्सार स्टील के कार्यकारी ने पूछे जाने पर बताया कि हजीरा बंदरगाह दिवालाशोधन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस को चालू वित्त वर्ष में 13,000 करोड़ रुपए कर्ज वितरण की उम्मीद

नई दिल्ली।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस को चालू वित्त वर्ष में 13,000 करोड़ रुपए के कर्ज वितरण की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीरज व्यास ने कहा कि अक्टूबर-नवंबर में त्योहारी सीजन के दौरान ऋण की मांग बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की वजह से लागू लॉकडाउन संबंधी अंकुशों में ढील के बाद बहुमंजिला आवासीय परियोजना खंड से मांग बढ़ रही है। व्यास ने कहा कि कंपनी को अक्टूबर से हर महीने 1,200 से 1,500 करोड़ रुपए के ऋण वितरण की उम्मीद है। जनवरी से इसे बढ़ाकर हर महीने 2,000 करोड़ रुपए किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि अक्टूबर-नवंबर में त्योहारी सीजन शुरू होने के बाद हम हर महीने करीब 1,200 से 1,500 करोड़ रुपए का ऋण वितरण करेंगे। जनवरी से हमारा हर महीने 2,000 करोड़ रुपए के ऋण वितरण का लक्ष्य है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने 2019-20 में 18,626 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया था। यह 2018-19 की तुलना में 48 प्रतिशत कम है। आगे चलकर व्यास को बहुमंजिला आवासीय परियोजनाओं में मकान खरीदने वाले लोगों से ऊंची मांग की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस वर्ग में संपत्ति का मूल्य 75 से 90 लाख रुपए के बीच होता है। इसमें ऋण की संपत्ति का मूल्य 75 से 90 लाख रुपए के बीच होता है। इसमें ऋण की जरूरत 50 से 75 लाख रहती है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद इस क्षेत्र की स्थिति अच्छी नजर आ रही है। क्योंकि लोगों को अब लगता है कि उन्हें अपने रहने के लिए बड़ा घर चाहिए। इसके अलावा बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय (एनआरआई) भी स्वदेश लौट आए हैं। हमें एनआरआई से काफी पूछताछ मिल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

यूवेंटस ने दो मैच बाकी रहते सिरी ए खिताब किया पक्का

रोम । करिश्माई फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और फेडरिको बेर्नार्डेस्की के गोल के दम पर यूवेंटस ने रविवार को सैंपडोरिया के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ लगातार नौवीं बार सिरी ए (इटली की शीर्ष घरेलू लीग) खिताब अपने नाम कर लिया। रोनाल्डो ने मध्यांतर से ठीक पहले यूवेंटस का खाता खोला जबकि बेर्नार्डेस्की ने मैच के 67वें मिनट में टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। टीम को अभी हालांकि दो और मैच खेलने है और रिकार्ड नौवां खिताब सुनिश्चित करने में पांच बार के बेलोन डिओर विजेता रोनाल्डो ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस सत्र में यूवेंटस के लिए 31 मैचों में 31 गोल दागकर रिकार्ड की बराबरी की। यह रिकार्ड फेलिस बोरेल के नाम है जिन्होंने 1933-34 सत्र में 31 गोल किये थे। कोरोना वायरस के कारण स्थगित लीग के फिर से शुरु होने के बाद रोनाल्डो ने यूरोप की शीर्ष पांच लीग में सबसे ज्यादा 10 गोल किये हैं। मैनचेस्टर सिटी के रहीम स्टर्लिंग और बायर्न म्यूनिख के रॉबर्ट लेवांडोवस्की के नाम नौ-नौ गोल हैं।

आईसीसी ने 2023 वर्ल्ड कप के लिए सुपर लीग टूर्नामेंट लॉन्च किया, मेजबान भारत और लीग की टॉप-7 टीमें सीधे क्वालिफाई करेंगी

स्पोर्ट्स डेस्क।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को भारत में 2023 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के सुपर लीग क्वालिफायर टूर्नामेंट लॉन्च किया। इंग्लैंड-आयरलैंड के बीच 30 जुलाई से साउथैंप्टन में शुरू हो रही 3 वनडे की सीरीज से इसका आगाज होगा। सुपर लीग का बाकी शेड्यूल बाद में जारी किया जाएगा। मेजबान भारत के अलावा सुपर लीग की टॉप-7 टीमें सीधे 2023 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई होंगी। इस वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स में नीदरलैंड्स के अलावा आईसीसी की 12 फुल टाइम मेंबर टीमें हिस्सा ले रही हैं। नीदरलैंड ने वर्ल्ड क्रिकेट सुपर लीग 2015-17 जीतकर सुपर लीग में जगह बनाई है। आईसीसी के जनरल मैनेजर ऑपरेशन ज्योफ अलार्डिस ने कहा कि नई सुपर लीग अगले तीन सालों में वनडे क्रिकेट को पॉपुलर करेगी, क्योंकि इसके जरिए ही 2023 वनडे वर्ल्ड में कोई टीम जगह बना पाएगी। वनडे सुपर लीग फैन्स का ध्यान अपनी ओर खिंचने में सफल रहेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि हाल के समय में लीग क्रिकेट काफी लोकप्रिय रहा है। कोरोना के कारण रद्द हुए मैचों को री-शेड्यूल करने का मौका मिलेगा एलार्डिस ने कहा कि वर्ल्ड कप को 2023 के आखिरी में कराने के फैसले से हमें कोविड-19 की वजह से रद्द हुए मैचों को री-शेड्यूल करने का समय मिलेगा और हम क्वालिफिकेशन प्रोसेस को बचा सकेंगे। क्रिकेट सुपर लीग में हिस्सा ले रही हर टीम 2023 तक 8 सीरीज खेलेगी। इसमें चार घरेलू और 4 विदेशी सीरीज होगी। हर सीरीज में तीन मैच होंगे। इन सीरीज में जीत और हार के आधार पर रैंकिंग मिलेगी और इसी आधार पर टीमें 2023 आईसीसी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर पाएंगी। जो पांच टीमें सीधे क्वालिफाई नहीं कर पाएंगी, उन्हें क्वालिफायर में आईसीसी के पांच एसोसिएट मेंबर देशों से खेलना होगा।

इस क्वालिफायर में खेलने वाली टॉप-2 टीमें भारत में होने वाले विश्व कप में हिस्सा लेंगी। हर टीम को एक मैच जीतने पर 10 अंक मिलेंगे। मैच टाई होने या किसी कारण से रद्द होने पर 5 पॉइंट दिए जाएंगे। आठों सीरीज के दौरान मिले अंकों के आधार पर टीम की रैंकिंग तय की जाएगी। साथ ही समान अंकों वाली टीमों को अलग करने के लिए भी नियम बनाए गए हैं।

धोनी की टीम इंडिया में वापसी पर बोले डीन जोंस, ब्रेक से मिलेगा माही को फायदा

स्पोर्ट्स डेस्क।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 2019 विश्व कप से टीम से बाहर चल रहे है। जहां फैंस बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे है कि माही कब क्रिकेट के मैदान पर उतरकर अपना फिर से जलवा दिखाएंगे। हालांकि धोनी अपने परिवार के लॉकडाउन में क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे है। ऐसे में आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी डीन जोंस ने धोनी को लेकर बड़ा बयान दिया है। दरअसल, एक क्रिकेट वेबसाइट से बातचीत के दौरान डीन जोंस ने कहा, ऐसा लग रहा है कि फिलहाल भारतीय चयनकर्ता ऋषभ पंत और केएल राहुल को मौका देने जा रहे हैं। अगर धोनी आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हैं तो उन दोनों के लिए मुश्किल होगी लेकिन अगर वह अच्छा नहीं करते हैं तो शायद उनके लिए दरवाजा बंद हो सकता है। जोंस ने आगे कहा, यह ब्रेक धोनी के लिए शानदार हो सकता है। वास्तव में ब्रेक उनके लिए काफी अच्छा रहा है, अगर वह वापसी करना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि जैसे आपकी उम्र बढ़ती जाती है तो ब्रेक के बाद वापसी करना ज्यादा मुश्किल होता है। जोंस ने कहा, वह (धोनी) एक सुपरस्टार हैं। वह महान हैं। मैंने हमेशा महान लोगों के साथ महसूस किया है कि उन्हें वह करने देना है, जो वे करना चाहते हैं। जोंस ने कहा, भारत की सबसे बड़ी समस्या अब भी एक फिनिशर है। आपका

फिनिशर कौन है? हार्दिक पांड्या - हां। बस आपको संतुलन जरूरी है। आपको बता दें कि महेंद्र सिंह धोनी ने अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर की शुरुआत साल 2004 में की थी। इस दौरान धोनी ने टेस्ट में 90 मैच खेलते हुए 4876 रन 38 से ज्यादा की औसत से बनाए हैं। जबकि वनडे में 50 से ज्यादा की औसत से 350 मैच में 10,773 रन बनाए हैं। वहीं धोनी ने टी20 में 37 से ज्यादा की औसत से 1617 रन बनाए।

2001 में गुस्से में पकड़ ली थी गिलक्रिस्ट की गर्दन, लैंगर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

स्पोर्ट्स डेस्क। आस्ट्रेलिया टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने खुलासा करते हुए कहा कि साल 2001 में जब आस्ट्रेलिया टीम इंग्लैंड दौरे पर गई थी तब मैनें गुस्से में आकर टीम के स्टार विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट की गर्दन पकड़ ली। बता दें, लैंगर ने कंगारू टीम के पूर्व क्रिकेटर शेन वॉटसन से लाइव चैट में बात कही। दरअसल, आस्ट्रेलिया टीम के पूर्व क्रिकेटर शेन वॉटसन से बातचीत में जस्टिन लैंगर ने कहा, पहले टेस्ट के दो दिन पहले किसी ने मेरा दरवाजा खटखटाया। वह स्टीव वॉ थे, जो सही अर्थों में मेरे हीरो थे। उन्होंने अंदर आकर मुझसे कहा कि मुझे नहीं पता कि कैसे मुझे तुमसे यह बात करनी चाहिए। लेकिन तुम पहले टेस्ट में नहीं खेल रहे हो। लैंगर ने इस वाकए का जिक्र करते हुए कहा, पता नहीं इस खबर से मुझे रोना चाहिए था या उनके कंधे पर मुक्का मारना चाहिए था। स्टीव वॉ मेरे हीरो और बड़े भाई की तरह थे। वह मुझे बता रहे थे कि मैं पहला टेस्ट नहीं खेलूंगा। मुझे इससे सदमा लगा। डेमिन मार्टिन उस समय शानदार फॉर्म में थे। इसलिए उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता था। लैंगर ने आगे कहा, उस समय मेरी उम्र 31 साल थी। मुझे लगा मेरा सपना टूट गया है। मैं टीम से बाहर हो चुका था। अगले छह सात या आठ सप्ताह तक मैं सिर्फ अभ्यास मैच खेलता रहा। मैं बहुत खराब बल्लेबाजी कर रहा था, क्योंकि मैं बहुत कोशिश कर रहा था। स्टीव वॉ चौथे टेस्ट से पहले चोटिल हो गए। मुझे यह टीम में वापसी का संकेत लगा।

बीसीसीआई ने आयोजन के लिए यूएई को आधिकारिक पत्र भेजा, अब सरकार की मंजूरी मिलने का इंतजार

स्पोर्ट्स डेस्क।

बीसीसीआई ने आईपीएल की मेजबानी के लिए एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से बात कर ली। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन ब्रजेश पटेल ने कहा कि बीसीसीआई ने ईसीबी को यूएई में आईपीएल की मेजबानी के लिए स्वीकृति पत्र भेज दिया है। यूएई ने पत्र मिलने की पुष्टि भी कर दी है। अब टूर्नामेंट को कराने के लिए सिर्फ भारत सरकार की मंजूरी मिलने का इंतजार है। ब्रजेश पटेल ने कहा, हमने ईसीबी को स्वीकृति पत्र भेज दिया है। अब दोनों देशों के बोर्ड मिलकर टूर्नामेंट के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, सभी आठ टीमों के प्री-टूर्नामेंट ट्रेनिंग कैंप यूएई में बायो-सिक्योर माहौल में होंगे। टीमों को टूर्नामेंट के पहले कम से कम तीन से चार हफ्ते तैयारी करनी होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग इस हफ्ते होगी। इसमें लीग का शेड्यूल और एसओपी निर्धारित किया जाएगा। ईसीबी के जनरल सेक्रेटरी मुबाशिर उस्मानी ने कहा कि हम सोमवार को प्रेस रिलीज से लीग के आयोजन की घोषणा करेंगे। आईपीएल 19 सितंबर से 8 नवंबर के बीच यूएई में होगी। बीसीसीआई के एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) के हेड अजीत सिंह ने कहा कि आईपीएल में भ्रष्टाचार को लेकर टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। इस बार लीग सिर्फ तीन जगहों पर हो रही है, इसलिए मैच फिक्सिंग जैसी चीजों पर नजर रखना ज्यादा आसान होगा। आईपीएल के मैच यूएई में दुबई, अबु धाबी और शारजाह में होंगे, जबकि भारत में 8 वेन्यू होते है। अजीत सिंह ने कहा, बीसीसीआई के 8 एसीयू अधिकारी पेरोल पर हैं। वे पैनी नजर रखेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम निगरानी के लिए और ज्यादा अधिकारी नियुक्त करेंगे। हम आईसीसी से भी मदद ले सकते हैं। यूएई आईपीएल की तैयारी के लिए घरेलू लीग की मदद ले रहा है। यूएई में शुक्रवार से डी10 लीग शुरू हो चुकी है। उस्मानी ने कहा, 'हमने डी10 लीग के लिए स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल बनाया है। हम उसी प्रोटोकॉल को आईपीएल में लागू कर सकते हैं। हम सरकार और आईसीसी की गाइडलाइन का पालन करते हुए अधिक आईपीएल में फैंस को लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। हम सरकार से मांग करेंगे कि प्रोटोकॉल के साथ फैंस को स्टेडियम में जाने की अनुमति दी जाए।' इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी शुरुआती मैच नहीं खेल सकेंगे। वे पहले हफ्ते के बाद ही अपनी-अपनी टीमों से जुड़ेंगे। दरअसल, इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया का तीसरा और आखिरी वनडे 16 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। दोनों टीमों के खिलाड़ी 16 को ही या फिर अगले दिन लंदन से दुबई के लिए रवाना होंगे। यूएई पहुंचने के बाद वहां की सरकार के नियमों के अनुसार, उन्हें कोरोना टेस्ट कराना होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्टुअर्ट ब्रॉड से प्रभावित हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, कहा- टेस्ट में ले सकता है 600 विकेट

मैनचेस्टर । अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के शानदार प्रदर्शन से प्रभावित इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने कहा कि इस 'चैम्पियन खिलाड़ी के पास 600 टेस्ट विकेट लेने की क्षमता है। ब्रॉड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर खुद को एक बार फिर साबित किया। तीन मैचों कि टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच से नजरअंदाज किए गए ब्रॉड ने बाकी दोनों टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी विकेटों की संख्या को 500 पहुंचाने से महज एक कदम दूर हैं। आथर्टन ने 'स्काई स्पोर्ट्स पर अपने कॉलम में लिखा, 'चैंपियन खिलाड़ी की पहचान इ बात से नहीं होती कि वह टीम से कैसे बाहर हुआ बल्कि इस बात से होती है कि उसने वापसी कैसे की जैसा कि हम इस श्रृंखला में ब्रॉड के साथ देख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बाहर (टीम से) होते हैं तो आपको अपने बारे में थोड़ा और पता चलता है। कुछ खिलाड़ी ऐसे में सोचते हैं कि उनका करियर पूरा हो गया लेकिन ब्रॉड ने अपने दमखम से दिखा दिया कि, वह 500 विकेट से संतुष्ट नहीं होने वाले वह 600 विकेट लेना चाहता है। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज ब्रॉड ने पहले टेस्ट में खुद को अंतिम 11 में शामिल नहीं करने पर नाराजगी जताई थी। दूसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई और उन्होंने छह विकेट चटकाकर श्रृंखला में टीम की वापसी करने में अहम भूमिका निभाई। आथर्टन ने कहा, 'एजियास बाउल में खेले गये पहले टेस्ट से बाहर होने के बाद उसने काफी कुछ कहा था लेकिन उसने अपने प्रदर्शन से खुद को साबित किया। जब आप इस मैच में उसकी गेंदबाजी करने के तरीके को देखेंगे तो लगेगा कि हर गेंद पर विकेट मिलने वाला है।

3एम ओपनः अटवाल चौथे दिन बेहतर प्रदर्शन कर संयुक्त 53वें स्थान पर रहे

ब्लेन । भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल यहां 3एम ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के आखिरी दिन पांच अंडर 66 का शानदार कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से 53वें स्थान पर रहे। उनका कुल स्कोर सात अंडर 281 रहा। कोविड-19 महामारी के बीच फिर से गोल्फ प्रतियोगिता के शुरू होने के बाद अटवाल का यह दूसरा टूर्नामेंट है। वह अगले सप्ताह बार्राकुडा चैम्पियनशिप में भी भाग लेंगे। माइकल थॉम्पसन ने 67 का कार्ड खेला और कुल 19 अंडर के स्कोर के साथ टूर्नामेंट के विजेता बने। एडम लोंग 17 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

आईपीएल फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी, स्टेडियम में मैच देखने की मिल सकती है अनुमति

स्पोर्ट्स डेस्क । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 इस साल यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इस बात की पुष्टि बीते शुक्रवार आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने कि आईपीएल 19 सितम्बर से 8 नवम्बर के बीच यूएई में खेला जाएगा। अब आईपीएल फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी ये है कि सरकार से बात चल रही है जिसके तहत कुछ शर्तों के साथ स्टेडियम में आईपीएल के मैच देखने की अनुमति मिलने की संभावना है। यूएई बोर्ड के महासचिव मुबाश शीर उस मानी ने इस बारे में बातचीत करते हुए कहा कि स्टेडियम में फैंस के आने पर हम अपनी सरकार को कुछ योजनाओं का प्रस्ताव देंगे और इसकी भी मंजूरी लेंगे कि टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए किस प्रोटोकॉल का पालन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जहां तक प्रशंसकों का सवाल है, हम चाहते हैं कि यूएई में हमारे एशियाई प्रवासी और अमीरात के लोग भी आएं और आईपीएल देखें। यूएई बोर्ड के महासचिव ने कहा कि ऐसे बड़े इवेंट्स को देखने के लिए स्थानिय काफी उत्सुक हैं। हम स्टेडियम में फैंस को लाने के लिए सरकार से छूट देने के लिए कहेंगे।

महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड दौरे पर ना भेजने पर बीसीसीआई का आया बयान, दिया जवाब

नई दिल्ली ।

बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य शांता रंगास्वामी ने कहा कि महिला टीम को इंग्लैंड में प्रस्तावित त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भेजने से मना करने पर इसे बोर्ड की उपेक्षा नहीं समझी जानी चाहिए। उन्होंने सोमवार को कहा कि जो भी बोर्ड की मंशा पर सवाल उठा रहा है उसे स्थिति के सामान्य होने का इंतजार करना चाहिए। बीसीसीआई ने कोविड-19 महामारी के कारण इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए महिला टीम नहीं भेजने का फैसला किया जबकि वह सितंबर से नवंबर तक यूएई में आईपीएल की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में महिला क्रिकेट को लेकर बोर्ड की गंभीरता पर सवाल उठ रहा लेकिन पूर्व कप्तान ने इस अलोचना को खारिज कर दिया। रंगास्वामी ने कहा, 'यह उपेक्षा करने का मामला नहीं है। आपको मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कम से कम 6 सप्ताह का समय चाहिए और देश के ज्यादातर हिस्से में कोविड-19 को देखते हुए क्या शिविर लगाना संभाव है? आपको इंग्लैंड में 14 दिनों तक पृथकवास में भी रहना होगा। आईपीएल के दौरान महिला प्रदर्शनी मैचों के इस साल होने की संभावना कम है और न्यूजीलैंड में अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले शायद ही टीम को ज्यादा मैच खेलने को मिले। रंगास्वामी ने कहा, 'मेलबर्न में टी20 विश्व कप के फाइनल में रिकार्ड संख्या में दर्शकों के आने के बाद हम फिर से कुछ साल पीछे चले गये हैं। यह दुखद है। 'ऐसा लग रहा है कि प्रकृति भी महिला क्रिकेट के खिलाफ साजिश कर रही है। पिछले साल आईपीएल महिला चैलेंज में तीन टीमें थी और इस साल इसे चार टीमों का होना था। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट का स्थल बदल गया लेकिन उससे ज्यादा परेशानी यह है कि उसी समय बिग बैश लीग का आयोजन होना है। देखते है आईपीएल की संचालन समिति क्या फैसला करती हैं। उन्होंने कहा, 'मौजूदा माहौल में बीसीसीआई की खेल (महिला क्रिकेट) के प्रति प्रतिबद्धता को नहीं आंका जाना चाहिए। कोविड-19 के बाद महिला क्रिकेट को लेकर उनकी प्रतिबद्धता का पता चलेगा। बीसीसीआई की मंशा पर संदेह करने वाले लोगों को पहले चीजों के सामान्य होने का इंतजार करना चाहिए। मौजूदा स्थिति उनके नियंत्रण में नहीं है।

पूर्व गेंदबाज का बड़ा बयान, अब भारतीय टीम में सुरेश रैना के लिए कोई जगह नहीं

स्पोर्टस डेस्क । भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि अब वह भारत के लिए नहीं खेल पाएगा। देश के सबसे बेहतरीन क्षेत्ररक्षकों में से एक रैना की भारत की मौजूदा लाइन अप में कोई भूमिका नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि रैना एक ऐसा बल्लेबाज हैं, जो निचले क्रम पर बल्लेबाजी नहीं कर सकता। हॉग ने यूट्यूब पर बात करते हुए कहा कि सुरेश रैना का भारतीय क्रिकेट में रहस्योद्घाटन रहा है। हमने उसे भारत की तरफ से विश्व स्तर के बेहतर क्षेत्ररक्षकों में से एक के रूप में देखा है। वह एक शानदार बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा कि लेकन अगर आप अभी भारत की लाइन-अप को देखें तो देखेंगे कि विराट कोहली इस समय युवाओं को टीम में देख रहे हैं। श्रेयस अय्यर की बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह नम्बर 4 पर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा है और यह वही स्लॉट है जहां रैना बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए नहीं देख पा रहा। वह ऐसा बल्लेबाज है जो नम्बर 3-4 का प्लेयर है और मध्य के ओवरों में बल्लेबाजी करता है। मुझे नहीं लगता कि भारतीय क्रिकेट में अब उसका कोई रोल बचा है। गौर हो कि रैना ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2020 के लिए प्रैक्टिस शुरू कर दी है। जहां तक आंकड़ों की बात है तो रैना की टेस्ट में औसत 25, वनडे और टी20 में 30 की औसत रही है।

ओलंपिक चैंपियन जुईरुई को हराना मेरे करियर का टर्निंग प्वाइंटः सिंधु

मुंबई। विश्व चैंपियन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने कहा है कि 2012 में ओलंपिक चैंपियन ली जुईरुई को हराना उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ और इससे उनका मनोबल काफी ऊंचा हो गया। सिंधु ने ऑनइलान चैट शो 'इन द स्पोटर्लाइट में टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के साथ बातचीत में यह खुलासा किया है। सिंधु ने कहा, 'मेरे लिए महत्वपूर्ण मोड़ उस समय आया जब मैंने 2012 में ली जुईरुई को हराया। वह उस समय ओलंपिक चैंपियन थीं और मैंने उन्हें चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में हराया था। उन्होंने कहा कि जुईरुई को हराने के बाद उनका आत्मविश्वास बहुत ज्यादा बढ़ गया और इससे उन्हें पहले से ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिली। इसके एक साल बाद उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता था। 25 वर्षीय सिंधु 2016 रियो ओलम्पिक की रजत पदक विजेता हैं और 2019 में उन्होंने भारत की पहली विश्व चैंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी होने का गौरव हासिल किया था। विश्व चैंपियनशिप में उन्होंने कुल पांच पदक जीते हैं जिनमें दो कांस्य, दो रजत और एक स्वर्ण पदक शामिल है। सिंधु ने कहा, 'जब मैंने खेलना शुरू किया तो मैं अच्छा प्रदर्शन कर रही थी लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का नहीं था। मैं पहले दौर, क्वालीफाईंग दौर में हार जाती थी। मैं पहले दौर, क्वालीफाईंग दौर में हार जाती थी। मुझे अहसास हुआ कि मुझे बेहतर खेल दिखाना होगा और तब मैंने कड़ी मेहनत शुरू की।

ऑस्ट्रेलियाई बॉक्सर एबनी ब्रिज ने बेची जुराबें, मिली भारी-भरकम कीमत

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया पर बैठे दीवाने कई बार ऐसे काम कर जाते हैं जोकि चर्चा का विषय बन जाते हैं। अब ऑस्ट्रेलिया की बॉक्सर एबनी ब्रिज ने मजाक में अपनी गंदी जुराबें बेचने के लिए सोशल मीडिया का सहारा क्या लिया। एक ब्रिटिश फैन ने इसकी भारी-भरकम बोली लगा दी। जुराबों के 500 पाऊंड मिलने से ऑस्ट्रेलियाई बॉक्सर एबनी ब्रिज इतनी खुश हुई कि उन्होंने एक और ट्विट किया। लिखा- किसी को ओनली मी अकाऊंट की क्या जरूरत जब आपकी गंदी जुराबें ही काम कर जाए। कभी हाई स्कूल में मैथ टीचर रही एबनी कुछ सालों से बतौर बॉक्सर अपना करियर आगे बढ़ा रही है। बीते साल फरवरी में ही उन्हें प्रोफेशनल का कार्ड मिला था। उसके बाद से उनकी चार फाइट हुईं। चारों में वह जीत हासिल करने में कामयाब हुई। बहरहाल, उक्त घटनाक्रम के बारे में एबनी ने खुद ही ट्विटर पर पोस्ट डालकर बताया। एबनी ने लिखा- मैं प्रोफेशनल बॉक्सर हूं और यूके के एक मेरे फैन ने मेरी जिम की गंदी जुराबों के लिए 500 पाऊंड की बोली लगाई है ताकि मैं इसे यूके भेज सकूं। यूके के बॉक्सिंग फैंस सबसे अच्छे होते हैं। एबनी ब्रिज ने इसके साथ ही खुलासा किया- फैंस द्वारा की जा रही अजीब मांगों से वह हैरान भी हैं। कोई उनके पैरों की फोटोज मांग रहा है तो कोई गंदी जुराबें। उन्हें लगता था कि फैंस उनसे उनके अंतरवस्त्र मांगेंगे लेकिन इसके ऊलट वह सिर्फ जुराबें ही चाहते हैं। एबनी ब्रिज ने बीतों दिनों माना था कि उन्हें अपनी ग्लैमरस लुक के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बीते दिनों उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था-मैं पहली बार स्वीकार करूंगी कि जब मैं बॉक्सिंग में आती थी तो मैं चाहती था कि लोग यह देखें कि मैं लड़ कैसे रही हूं न कि मैं दिख कैसे रही हूं। मैंने महसूस किया है कि मुझे हमेशा खुद को साबित करना पड़ा। एबनी ब्रिज बोली- मुझे मेरे रूप और मेरे में कोई समस्या या शर्म नहीं है। व्यक्तित्व और सभी को गले लगाने में कोई समस्या या शर्म नहीं है। मुझे पता है कि मैं लड़ सकती हूं और मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे पसंद है कि मैं कौन हूं और मैं अपने व्यक्तित्व को छिपाना नहीं चाहती। मैं जो हूं वो हूं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जानलेवा है पैंक्रियटाइटिस

अग्नाशय(पैन्क्रियाज) में सूजन या संक्रमण होने को पैंक्रियटाइटिस कहते हैं। एंजाइम्स को आंतों तक लेकर जाने वाली रक्तवाहिनियां भी इस सूजन से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इस वजह से एंजाइम्स आंतों में पहुंचने से पहले ही बाहर निकल जाते हैं और पैंक्रियाज को ही पचाने लगते हैं। पैंक्रियाज नॉर्मल फंक्शन नहीं कर पाता और यह रोग हो जाता है। पैंक्रियटाइटिस रोग सामान्यतः वयस्कों में ही होता है। महिलाओं की अपेक्षा पुरुष इसके ज्यादा शिकार होते हैं। मुख्य रूप से इसे दो भागों में बांटा जा सकता है एक्यूट और क्रॉनिक पैंक्रियटाइटिस।

एक्यूट पैंक्रियटाइटिस- इसमें पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द शुरू होता है, जो पीठ तक जाता है। बेचैनी के साथ उल्टियां भी होती हैं। ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाता है और डीहाइड्रेशन के कारण एकदम से कम होता है। इस वजह से ब्लड प्रेशर गड़बड़ा जाता है। तेज दर्द के साथ पेट फूल जाता है। दिल की धड़कनें असामान्य हो जाती हैं। खाना खाते ही तेज दर्द शुरू हो जाता है।

क्या है उपाय- रोगी को सर्वप्रथम ऑक्सीजन दी जाती है क्योंकि तेज दर्द के चलते उसे सांस लेने में कठिनाई होती है। रोगी को इंजेक्शन से ग्लूकोज और अन्य तरल दवाएं दी जाती हैं। दर्दनिवारक दवा भी जरूरी होने पर तरल रूप में ही दे जाती है। संक्रमण खत्म होने तक एंटी बायोटिक्स दिए जाते हैं। कुछ रोगियों के नाक के रास्ते से एक पाइप डालकर पेट में जमा हो रहे लिक्विड को निकाला जाता है। यदि अटैक लंबे समय तक रहता है, तो नली के माध्यम से न्यूट्रीशियन सप्लीमेंट दिए जाते हैं।

क्रॉनिक पैंक्रियटाइटिस- इसमें मरीजों का वजन तेजी से कम होता है, क्योंकि पैंक्रियाटिक एंजाइम्स पाचन तंत्र को नष्ट कर देते हैं । डायबिटीज व पीलिया हो सकती है। भोजन पचना बंद हो जाता है। ब्लड काउंट कम हो जाते हैं।

क्या है इलाज- मरीज को घ्सा आहार दिया जाता है, जिसमें फैट न हो और कार्बोहाईड्रेट प्रचुर मात्रा में हों। यह आहार उसे कम मात्रा में दिन में कई बार दिया जाता है। यदि पैंक्रियाज काम नहीं कर रहा है, तो मरीज को दवा के रूप में एंजाइम्स दिए जाते हैं। किसी भी रूप में एल्कोहल को बंद कर दिया जाता है। यदि पैंक्रियाज इंसुलिन का निर्माण नहीं कर पा रहे हैं, तो इंसुलिन इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में पहुंचाया जाता है।

कुछ प्रमुख कारण- पैंक्रियटाइटिस का कारण शराब का अत्यधिक सेवन व गॉल ब्लेडर में बनने वाले स्टोंस हैं। एक्यूट पैंक्रियटाइटिस का कारण 80 प्रतिशत मामलों में गॉल ब्लेडर में बनने वाले स्टोंस होते है। वहीं, क्रॉनिक पैंक्रियटाइटिस के अधिकतर मामले शराब के सेवन से होते हैं। कुछ अन्य कारण भी इसके लिए जिम्मेदार माने जाते हैं जैसे, किसी दवा के रिएक्शन से। किसी विशेष रसायन के संपर्क में आने से। दुर्घटना में पेट में गंभीर चोट लगने से। आनुवांशिक कारणों से।

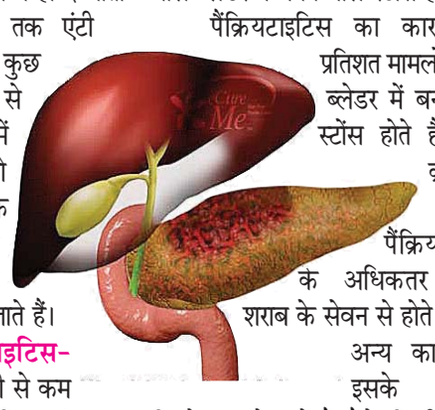

खान पान में सावधानी- शराब और धूम्रपान का सेवन बिल्कुल ही बंद कर दें। ज्यादा कार्बोहाइड्रेट और बिना वसा वाले भोजन का ही उपयोग करें। मिर्च मसालों का सेवन तो बिलकुल बंद कर दें। एक साथ ज्यादा खाना नहीं खाएं। सोयाबीन को भोजन में शामिल करें। तेल, घी, मक्खन बंद कर दें। मांसाहार का सेवन भी बिलकुल न करें। हरी सब्जियां खाएं, ताजा फलों का रस पीएं, पानी उबाल कर पीएं।दही, पालक, वेजिटेबल सूप, मशरूम, चेरीज एंड ब्लू बेरीज का सेवन करें।

हार्ट के लिए डाइट- दिल के लिए स्वस्थ स्वैकिंग पर यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं। संतृप्त वसा के स्तर पर भी ध्यान दें। सोया, मछली, स्किनलेस चिकन, कम चर्बी वाला मांस और वसा-मुक्त या 1 प्रतिशत डेयरी उत्पाद। घ्से उत्पाद कम खाएं जिनमें संतृप्त वसा अधिक हो। इनमें अंडे की जर्दी, दूध, पनीर, क्रीम, आइसक्रीम, मक्खन और वसा युक्त मांस (अधिक प्रोटीन वाला मांस) शामिल हैं। इसका भी ध्यान रखें कि भोजन को किस तरह से तैयार किया गया है। डाइड फूड की जगह भुने, भाप से पके, उबले या माइक्रोवेव में पके भोजन को शामिल करें।

दिल को दुरुस्त रखना है तो खाएं ड्रायफ्रूट्स

अमेरिका और ब्रिटेन में हाल ही में हुए शोधों में पाया गया कि अखरोट, बादाम और काजू जैसे मेवों का नियमित सेवन न सिर्फ दिल का दौरा पड़ने से बचाता है बल्कि अन्य प्रकार के हृदय रोगों की संभावना को भी बहुत कम करता है। अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि जो लोग हृदय को स्वस्थ बनाये रखने के लिए अन्य पोषक तत्वों के स्थान पर सूखे मेवे का सेवन करते हैं उनमें दिल का दौरा पड़ने की संभावना बहुत कम हो जाती है। शोधों का हवाला देते हुए पोषणाहार विशेषज्ञ एवं डायटिशियन संगीता राज ने इस संबंध में शोधों का हवाला देते हुये बताया कि अखरोट बादाम और काजू जैसे सूखे मेवे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और हृदय के रोगियों को स्वास्थ्यवर्द्धक अल्पाहार के स्थान पर इन मेवे का सेवन करना चाहिए। बादाम अखरोट और काजू जैसे सूखे मेवे के सेवन से रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्राल या 'लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन' (एलडीएल) की मात्रा कम होती है। उन्होंने बताया कि रक्त में एलडीएल की अधिक मात्रा हृदय रोग होने का प्रारंभिक कारकों में से एक है। इसलिए रक्त में इसकी मात्रा को कम बनाए रखने के लिए सूखे मेवे का सेवन लाभदायक होता है। इसके सेवन ने सिर्फ हानिकारक एलडीएल की मात्रा ही कम नहीं होती बल्कि यह रक्त का थक्का बनने की संभावना को भी कम करता है। इसकी संभावना कम होने से गंभीर दिल का दौरा पड़ने की आशंका नहीं रहती है।

शोध में बताया गया है कि सूखे मेवे हृदय की धमनियों को मजबूत बनाने में भी मददगार होते है। बादाम, अखरोट और काजू जैसे सूखे मेवे में कई तरह के वसा पाये जाते है तो हृदय के लिए उपयोगी है। संगीता राज ने बताया कि इन मेवे में मोनोसेचुरेटेड और पालीअनसेचुरेटेड वसा पाये जाते हैं जो रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्राल के स्तर को कम करने में मददगार होते हैं। इसके अतिरिक्त उनमें ओमेगा थ्री नामक फैटी एसिड भी पाया जाता है जो न सिर्फ हृदय के लिए बल्कि रक्त में हानिकारक कोलेस्ट्राल के स्तर को भी कम बनाये रखता है। इसके स्तर में कमी से दिल का दौरा पड़ने की संभावना बहुत कम हो जाती है। यह फैटी एसिड मछलियों में पाया जाता है लेकिन सूखे मेवे से मिलने वाला फैटी एसिड सब लोग सेवन कर सकते हैं जबकि मछलियों के फैटी एसिड का सेवन सिर्फ मांसाहारी व्यक्ति ही कर पाते हैं। सूखे मेवे में एल आरजिनिन रसायन पाया जाता है जो धमनियों को मजबूत बनाने के साथ उसे लचीला बनाये रखने में मदद करता है।

हर बीमारी से बचाए ये उपाय

- कांच या कंकर खाने में आने पर ईसबगोल भूसी गरम दूध के साथ तीन समय सेवन करें।
- घाव न पके, इसलिए गरम मलाई (जितनी गरम सहन कर सकें) बांधें।
- तुतलापन दूर करने के लिए रात को सोने से पांच मिनट पूर्व दो ग्राम भुनी फिटकरी मुंह में रखें।
- बच्चों का पेट दर्द होने पर अदरक का रस, पांच ग्राम तुलसी पत्र घोटकर, औटाकर बच्चों को तीन बार पिलाएं।
- सर्दियों में बच्चों की सेहत के लिए तुलसी के चार पत्ते पीसकर 50 ग्राम पानी में मिलाएं। सुबह पिलाएं।
- आमाशय का दर्द तुलसी पत्र को चाय की तरह औटाकर सुबह-सुबह लेना लाभदायक।
- सीने में जलन हो तो पाव भर ठंडे जल में नीबू निचोड़कर सेवन करें।
- शराब ज्यादा पी ली हो तो छह माशा फिटकरी को पानी दूध में मिलाकर पिला दें या दो सेबों का रस पिला दें।
- अरहर के पत्तों का रस पिलाने से अफीम का नशा कम हो जाता है।
- आधी छटांक अरहर दाल पानी में उबालकर उसका पानी पिलाने से भांग का नशा कम हो जाता है।
- केला हजम करने के लिए दो छोटी इलायची काफी होती है।
- आम ज्यादा खा लिए हों तो हजम करने के लिए थोड़ा सा नमक सेवन कीजिए।
- मुंह से बदबू आने पर मोटे अनार का छिलका पानी में उबालकर कुल्ले करें।
- मछली का कांटा यदि गले में फंस जाए तो केला खाएं।
- हिचकी आने पर पोदीने के पत्ते या नीबू चूस लें।
- वजन घटाने हेतु गरम जल में शहद व नीबू मिलाकर सेवन करें।
- कान, दांत दर्द, खांसी व अपचन में जीरा व हींग 1/1-2 मात्रा में सेवन करें।
- जख्मों पर पड़े कीड़ों का नाश करने के लिए हींग पावडर बुरक दें।
- दाढ़ दर्द के लिए हींग रुई के फाहे में लपेटकर दर्द की जगह रखें।
- शीत ज्वर में ककड़ी खाकर छाछ सेवन करें।
- शराब की बेहोशी में ककड़ी सेवन कराएं।

जब मौसम करे उदास!

हमारी दिनचर्या ऋतु आधारित होती है। हम मौसम के अनुसार ही हम अपना खानपान, पहनावा और रोज़मर्रा के काम तय करते हैं। लेकिन मौसम अपने साथ एक खास तरह की बीमारी भी लाता है, क्या यह आप जानती हैं? मौसम के साथ आने वाली इस विशेष बीमारी को सैड यानी सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर के नाम से जाना जाता है, जो अवसाद का ही एक रूप है। यह किसी व्यक्ति को खास मौसम में हर बार अवसादग्रस्त बना देता है।

कारण अनजान है- सीज़नल इफेक्टिव डिस्ऑर्डर क्यों होता है और इसके होने की वजह क्या है, इसे लेकर सेहत के जानकार आज भी किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। लेकिन उनका मानना है कि सूरज की रोशनी की कमी इस डिस्ऑर्डर को बढ़ाती है। यह कमी व्यक्ति के उठने-बैठने और सोने के म को प्रभावित करती है, जिसकी वजह से मस्तिष्क में मौजूद रसायन सेरोटिनन पर असर पड़ता है, जो मूड बद्लने का कारण है।

लक्षण आसान है- इस डिस्ऑर्डर का सीधा सम्बंध क्योंकि मूड से है, इसलिए इसके लक्षण पहचानना भी आसान है। अवसाद की इस स्थिति से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसमें व्यक्ति का मूड थोड़ी-थोड़ी देर में बदलता रहता है, वह ज्यादा उदास रहने लगता है और किसी भी काम में उसका मन नहीं लगता। प्रभावित व्यक्ति यादा खाना खाने लगता है और उसका वज़न भी बढ़ने लगता है। दिन में थका-थका सा महसूस होना और यादा सोना भी इसके लक्षणों में शामिल है।

यह सभी लक्षण हर साल एक विशेष मौसम में दिखाई पड़ते हैं। देखने में आया है कि सैड के लक्षण सितंबर या अक्टूबर अथवा अप्रैल और मई के बीच यादातर प्रभावित करते हैं।

रोशनी में छुपा उपचार- चिकित्सक सैड के उपचार के लिए अधिकांशतः लाइट थैरेपी का उपयोग करते हैं, जो दो तरह से काम में लाई जाती है। पहली-ब्राइट लाइट थैरेपी, जिसमें रोगी को एक विशेष तरह के 'लाइट बाक्स' के सामने आधे घंटे या इससे यादा के लिए बैठाया जाता है। और दूसरी, हल्की लाइट थैरेपी, जो सुबह होने से पहले की रोशनी जैसी होती है और धीरे-धीरे बढ़ते हुए रोगी को सुबह का अहसास कराती है। इसके अलावा अवसादरोधी दवाएं और काउंसलिंग भी रास्ते हैं, जो रोग से उबरने में आपकी मदद कर सकते हैं। सैड से रोगमुक्त होने के पश्चात भी नियमित व्यायाम, दिनभर में ज्यादा से ज्यादा सक्रियता (खासकर सुबह के समय) की सलाह चिकित्सकों द्वारा दी जाती है।

उमस के मौसम में रखे डाइट का खास ध्यान

उमस के इस मौसम में खाली पेट बाहर निकलने से हीट स्ट्रोक होने की आशंका रहती है। इस मौसम में डाइट पर ध्यान देने की जरूरत होती है। थोड़ा पानी गिरने के बाद तेज धूप से भला किसे परेशानी नहीं करती न कुछ खाने का मन करता है न कुछ पीने का. मन करता भी है, तो सोच में पड़ जाते हैं कि इस मौसम में क्या खाना सही रहेगा। ऑफिस पहुंचने की जल्दबाजी में हम कुछ खाते नहीं, जबकि सच तो यह है कि खाली पेट रहकर तेज धूप में निकलने से हीट स्ट्रोक होने की आशंका रहती है।

क्या खाए इस मौसम

ब्रॉकोली- इसमें पानी, फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स होता है। फाइबर और पानी इसे बेस्ट समर डाइट बनाते हैं। इसमें एंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो हमारी बॉडी को साफ करती है।

दही- यह बेस्ट समर फूड है. रिसर्चरस का मानना है कि दही फैट को जलाने में मददगार होता है। कैल्शियम और प्रोटीन की वजह से यह अतिरिक्त कैलोरी को खत्म करता है। कैलारी खत्म होने से मेटाबॉलिज्म रेट तेज होता है, जिससे शरीर का वजन नहीं बढ़ता।

लेमन जूस- बहुत देर तक धूप में रहने के बाद लेमन जूस बेस्ट है। नेचुरल स्लाइन वॉटर होने के अलावा यह वेट लॉस के लिए बेस्ट समर फूड है। विटामिन सी से रिच लेमन जूस डाइजे स्टिव सिस्टम और मेटाबॉलिज्म रेट भी इंप्रूव करता है। इस तरह से यह वजन नहीं बढ़ने देता है।

खीरा- यह भी आवर ग्लास फिगर को प्रमोट करता है। इसमें भी ब्रॉकोली की तरह वाटर कंटेंट और फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसलिए इसे कम मात्रा में खाएं, तो भी पेट भर जाता है. ऐसे में वेट भी कंट्रोल में रहेगा।

कैसे बचें कमर दर्द से

आप बच्चों को गोद में लेकर चलती हैं, तो बेशक आप बेहद केयरिंग और प्यार करने वाली मम्मी लगती हैं। लेकिन आपको यह भी पता होना चाहिए कि बच्चों को हिप्स पर लेकर चलना आपकी बैकबोन को कितना नुकसान पहुंचा सकता है। पिछले दिनों आई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कमर दर्द के मरीजों में हर साल 10 मिलियन मांएं शामिल होती हैं। पहले प्रेग्नेंसी फिर बच्चों को गोद में लेकर चलना और साथ में घर का काम करने से आपको कमर दर्द की समस्या होने संभावना काफी बढ़ जाती है। हालांकि इसका मतलब यह कतई नहीं है कि आप अपने प्यार-दुलार और जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लें, लेकिन इस दौरान कुछ बातों का ख्याल रखना आपकी हेल्थ के लिए बेहद जरूरी है।

हिप्स पर ना उठाएं बच्चों को

हालांकि बच्चों को हिप्स पर उठाना काफी कंफर्टेबल लगता है, लेकिन लंबे टाइम तक ऐसा करने से आपकी बॉडी की शेप बिगड़ सकती है। इतना ही नहीं, इससे आपकी स्पाइन को सपोर्ट करने की वाली मांसपेशियों पर भी जोर पड़ता है और वे कमजोर हो जाती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चे को छाती से चिपका कर उठाएं और उसकी दोनों टांगे बॉडी की दोनों साइड में कर लें।

एक्सर्साइज करें, फिट रहें

प्रेग्नेंसी के बाद अक्सर महिलाओं का पेट वाला हिस्सा लटक जाता है और इसका असर स्पाइन को सपोर्ट करने वाली मांसपेशियों पर भी पड़ता है। फिर इसके दो-तीन साल में दूसरा बेबी होने के बाद तो मामला और भी बिगड़ जाता है। इससे भी खराब यह होता है कि इस दौरान कई सालों तक महिलाएं अपनी हेल्थ पर कतई ध्यान नहीं देती हैं। इसलिए अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहें और रेग्युलर वॉकिंग व एक्सरसाइज करें।

गोद लेने के लिए झुकें नहीं

हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को गोद में उठाने के लिए ज्यादा झुकने की वजह से भी आपकी कमर में प्रॉब्लम हो सकती है, इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चे को झुककर उठाने की बजाय घुटनों पर बैठकर उठाएं। साथ ही, इधर - उधर ज्यादा ना झुकें। अगर आपका बच्चा खड़ा होना जानता है, तो उसे सीधे उठाने की बजाय उसे पहले खड़े होने को कहें और उसके बाद ही उसे गोद में उठाएं।

न डालें कमर पर प्रेशर

ज्यादातर नई मांएं अपने तीन से चार किलो के बच्चे को दिन में कम से कम 40 मिनट तो उठाती ही हैं। जबकि दो साल पूरे करते - करते उसी बच्चे का वजन 13 से 18 किलो तक हो जाता है। इसलिए जब आप बच्चे को उठाएं, तो इसके लिए कमर पर प्रेशर न डालें। बेशक अगर आप संभलकर कर बच्चे को उठाएंगी, तो आप बैक पेन की प्रॉब्लम से बच सकती हैं।

जरूर करें स्ट्रेचिंग

अगर आप रेग्युलर एक्सर्साइज नहीं कर पा रही हैं , तो मसल्स को फिट रखने के लिए इलास्टिक सिंपल स्ट्रेचेज की मदद लें। लंबर स्पाइन को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरपिस्ट दोनों टांगों को चेस्ट तक उठाने की सलाह देते हैं। इसलिए जब आप बेड पर हों , तो यह स्ट्रेच पांच बार लिए करें।

संभलकर लें प्रैम

कई महिलाएं बैक पर होने वाले स्ट्रेन की वजह प्रैम के गलत डिजाइन को बताती हैं। इसलिए ध्यान रखें कि इसका हैंडल आपकी लंबाई के अनुसार होना चाहिए और आपसे ज्यादा दूर भी नहीं होना चाहिए, ताकि आपको आगे की ओर झुकना ना पड़े। ज्यादा लंबाई वाली माएं अडजस्टेबल - हैंडल वाले प्रैम ही चुनें।

काम के दौरान रखें ख्याल

कमरदर्द से बचना है, तो घर का काम करने के दौरान भी आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। मसलन निचली शेल्फ साफ करते हुए ज्यादा झुकना नहीं है, तो ऊंची शेल्फ से कुछ उठाने के लिए आपको ज्यादा उचकना भी नहीं है। इसके लिए मजबूत स्टूल या छोटी सीढ़ी का प्रयोग करें। इसी तरह ऊंचे कोने साफ करने के लिए ऊंचा वैक्यूम क्लीनर यूज करें।

न पहनें ज्यादा हील्स

एक या डेढ़ इंच की हील्स वाली सैंडल तो ठीक हैं , लेकिन इससे ज्यादा हील्स काफ मसल्स को छोटा कर सकती हैं। दरअसल , इससे कमर के निचले हिस्से पर खिंचाव पड़ता है। अगर आप इस मामले में सावधानी बरतेंगी, तो आपकी कमर दर्द से बची रहेगी।

ज्यादा वजन न उठाएं

कभी भी एक साथ ज्यादा वजन उठाने की कोशिश ना करें। बेहतर होगा कि सुपर मार्केट में शॉपिंग करते वक्त ट्रॉली की बजाय बास्केट में सामान इकट्ठा करें। इससे आपको अंदाजा रहेगा कि आपने कितने वजन का सामान खरीदा है। साथ ही, एक हाथ में सामान उठाने की बजाय दोनों हाथों में आधा - आधा सामान लें। इससे स्पाइन को एक ओर झुकना नहीं पड़ेगा और इस पर जोर भी कम पड़ेगा। इसके अलावा अपने पॉस्चर पर भी ध्यान दें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रदर्शन कर रहे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय लल्लू समेत कई कांग्रेसी हिरासत में

लखनऊ।

राजस्थान में सरकार बनाम राज्यपाल की चल रही जंग में कांग्रेस हर राज्य के राजभवन के सामने प्रदर्शन कर स्पीक अप फॉर डेमोक्रेसी अभियान चला रही है और इसी के तहत तहत सोमवार को लखनऊ में राजभवन के सामने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू समेत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सभी को अस्थायी जेल ईको गार्डन भेज दिया है कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया भी मौजूद रहे। लल्लू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में चुनी हुई सरकार को गिराने की साजिश कर रही है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर राजस्थान में सरकार को गिराने का खेल चल रहा है। गिरफ्तारी पर लल्लू ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार उन पर जितना भी जुल्म करे लेकिन वो अपनी बात कहने से पीछे नहीं हटेंगे। बता दें कि इसी मामले को लेकर कांग्रेस देशभर में भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी को कार्यकर्ताओं के साथ हिरासत में लिया गया। उन्हें प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया है। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से राजस्थान में सियासी खींचतान जारी है। इसी बीच स्पीकर सीपी जोशी ने राजस्थान उच्च न्यायालय के जिस फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, उस याचिका को सोमवार को वापस ले लिया है। अदालत ने याचिका वापस लेने की अपील को स्वीकार कर लिया है। वहीं राज्यपाल ने सरकार से विधानसभा का सत्र बुलाने को लेकर दिए गहलोत सरकार के प्रस्ताव पर स्पष्टीकरण मांगा है। दूसरी ओर राजस्थान उच्च न्यायालय में भाजपा के विधायक की याचिका पर सुनवाई होनी है। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने विधाराज्यपाल कलराज मिश्र ने विधानसभा सत्र बुलाने के प्रस्ताव पर राज्य नसभा सत्र बुलाने के प्रस्ताव पर राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा, क्या आप विश्वास मत पेश करना चाहते हैं? यह आपके प्रस्ताव में उल्लिखित नहीं है, लेकिन आप इसके बारे में मीडिया में बोल रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोदी से ट्विटर पर हुई गलती, लोगों ने मीम्स बनाकर खूब लिए मजे

नेशनल डेस्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्यक्रम मन की बात को लेकर शनिवार को किए गए ट्वीट के कारण चर्चा में आ गए। दरअसल मन की बात कार्यक्रम के लिए शनिवार को किए गए ट्वीट में एक गलती थी जिसे यूजर्स ने झट से पकड़ लिया। फिर क्या था इस गलती को लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स बनने शुरू हो गए। ट्वीट का स्क्रीनशॉट इंटरनेट पर वायरल हो गया और ट्रेंड होने लगा। पीएम के ट्विटर हैंडल से शनिवार को ट्वीट किया गया था- प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी। दरसअल, ट्वीट में गलती से की जगह लिख दिया गया। सबसे बड़ी बात यह थी कि कई नेता ने इस ट्वीट ऐसे ही कॉपी-पेस्ट कर शेयर कर दिया। यूजर्स ने इस गलती और पीएम के ट्वीट पर खूब मजे लिए फनी कमेंट्स किए।

दुबई में बेवफाई के शक में पत्नी की हत्या करने वाले भारतीय को उम्रकैद की सजा

दुबई। दुबई में अपनी पत्नी की चाकू मार कर हत्या करने के मामले में एक भारतीय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 9 सितंबर को यूगेश सी एस (44) ने अपनी पत्नी विद्या चंद्रन की उसके दफ्तर के पार्किंग क्षेत्र में दिनदहाड़े चाकू मार कर हत्या कर दी थी। इस मामले की अदालत में सुनवाई चल रही थी। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, केरल से ताल्लुक रखने वाली विद्या उस रात ओणम मनाने के लिए बच्चों के साथ भारत रवाना होने वाली थी। विद्या के परिवार का आरोप है कि उसका पति कई साल से उसे प्रताड़ित कर रहा था। यूगेश ने पुलिस को बताया कि उसे शक था कि उसकी पत्नी का किसी और व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध है और बेवफाई के शक में ही यूगेश ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया।॥

मनकोट सेक्टर में पाक ने सीजफायर तोड़ दागे मोर्टार, सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

जम्मू। पाकिस्तानी सेना की सीमा पर नापाक हरकतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। आज सोमवार को पाक सेना ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी की। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए मोर्टार शैलिंग भी की। वहीं भारतीय सेना की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि सुबह करीब 10.20 बजे सीमा पार से पाकिस्तानी सैनिकों ने मनकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर अकारण गोलीबारी की और मोटरर से गोले दागे। भारतीय सैनिकों ने भी इस कृत्य का माकूल जवाब दिया। कल रविवार को भी पुंछ जिले में पाकिस्तानी सैनिकों ने गोलीबारी की थी। वहीं इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा की अग्रिम चौकियों पर शनिवार को लगातार पांचवें दिन पाकिस्तान की सेना ने मोर्टार के गोले दागे और गोलीबारी की थी। अधिकारियों ने बताया थाकि पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के मानकोट सेक्टर में आज शाम छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। यह पांचवां ऐसा दिन था जब पाकिस्तान की सेना ने नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सैनिकों ने राजौरी और पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को गोलीबारी की थी। गौरतलब है कि इससे पहले पाकिस्तानी सैनिकों ने संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा से लगे इलाकों में गोलीबारी की और तोप से गोले दागे थे। इस गोलीबारी में एक महिला घायल हो गयी थी। सेना के एक अधिकारी ने बताया थाकि पाकिस्तानी सैनिकों ने बुधवार देर रात तंगधार सेक्टर में सेना की अग्रिम चौकियों और आवासीय इलाकों को लक्ष्य कर तोप से गोले दागे और गोलीबारी की थी। भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सैनिकों के इस कृत्य का माकूल जवाब दिया। दोनों तरफ से एक घंटे से अधिक समय तक गोलाबारी हुई थी। उन्होंने बताया कि गोलीबारी में हजितरा गांव निवासी एक महिला घायल हो गयी , जिसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया था।

कोरोना का खौफ-बीमार पति को एंबुलेंस में चढ़ाने के लिए मदद की गुहार लगाती रही महिला, सड़क पर मौत

नेशनल डेस्क। कोरोना का डर इस कद्र लोगों के दिलों-दिमाग पर छाया हुआ है कि कोई भी किसी की मदद करने से आजकल हिचकिचा रहा है। कुछ सा ही मामला सामने आया पश्चिम बंगाल के बोनगांव का। यहां एक शख्स की तड़प-तड़प कर सड़क पर ही मौत हो गई। अस्पताल के बाहर महिला अपने पति को एंबुलेंस में चढ़ाने के लिए लोगों से मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन कोई आगे नहीं आया। 68 साल के माधव नारायण दत्ता को सांस लेने की तकलीफ होने के बाद शनिवार को बोनगांव सबडिविजनल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उन्हें कोविड 19 वार्ड में रखा गया लेकिन देर रात माधव को कोलकाता के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। माधव की हालत काफी खाब होने पर रात करीब 8 बजे बोनगांव से 80 किलोमीटर दूर कोलकाता के एक अस्पताल में भर्ती कराने को कहा गया। बुजुर्ग को कोलकाता ले जाने के लिए एंबुलेंस आई लेकिन शख्स उस पर चढ़ नहीं सके। महिला ने पति को एंबुलेंस में चढ़ाने की काफी कोशिश की लेकिन उससे अकेले से ऐसा नहीं हो सका। बुजुर्ग सड़क पर ही लेट गया। महिला ने आसपास लोगों से मदद की गुहार लगाई लेकिन कोरोना के डर से किसी ने हाथ नहीं लगाया। महिला ने एंबुलेंस के ड्राइवर से मदद की गुहार लगाते हुए कहा कि दादा आपने तो पीपीई किट पहनी है मदद कर दो लेकिन उसने भी इंकार कर दिया। आखिरकार महिला ने एक फिरहिम्मत जुटाई और पति को किसी तरह एंबुलेंस में चढ़ाया। करीब आधे घंटे तक मदद की गुहार लगाने वाली महिला पति को नहीं बचा पाई। हिम्मत जुटाई और पति को किसी तरह एंबुलेंस में चढ़ाया। करीब आधे घंटे तक मदद की गुहार लगाने वाली महिला पति को नहीं बचा पाई। माधव नारायण दत्ता ने अस्पताल पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ दिया।

केजरीवाल ने मिंटो ब्रिज जलभराव में मरने वाले चालक के परिवार को दिए 10 लाख रुपए

नई दिल्ली/डेस्क।

मिंटो ब्रिज जलभराव में मरने वाले मिनी ट्रक चालक कुंदन के परिवार को ष्टरू केजरीवाल ने दिए 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशी दी है। कुंदर उत्तराखंड का रहने वाला था, पिछले रविवार को हुई भारी बारिश के कारण मिंटो ब्रिज में जलभराव हो गया था। मिनी ट्रक चालक कुंदन की इस जलभराव में फंसने के कारण मौत हो गई थी। सीएम के जरीवाल ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर जानकारी दी है कि मिंटो ब्रिज जलभराव में उत्तराखंड के रहने वाले कुंदन जी का देहांत हो गया। आज उनके परिवार को 10 लाख की आर्थिक सहायता राशि दी। उनके जीवन का कोई मूल्य नहीं लेकिन उम्मीद करता हूं कि परिवार को इससे थोड़ी मदद मिलेगी। भविष्य में भी उनके परिवार को कोई ज़रूरत हुई, तो हम ज़रूर मदद करेंगे। बता दें कि दिल्ली में भारी बारिश के चलते जलमग्न हो जाने वाले मिंटो ब्रिज में लोगों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली सरकार ने नया नियम बनाया है। भारी बारिश के बाद मिंटो ब्रिज में अगर जलभराव होता है और उसका 1.5 फीट से ज्यादा पानी भर गया तो उसे कोई पार नहीं करेगा। अगर कोई इस दौरान मिंटो ब्रिज को पार करता पाया गया तो उसके खिलाफ एफआईआर कर दी जाएगी। यह अंडरब्रिज दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग और स्वामी विवेकानंद मार्ग (पूर्व में मिंटो रोड) के मुख्य ट्रैफिक जंक्शन पर स्थित है और एक तरफ कनॉट प्लेस और दूसरी तरफ नई दिल्ली स्टेशन, पुरानी दिल्ली और दरिया गंज की ओर जाता है।62 साल बाद, नागरिक एजेंसियों को अभी तक रेलवे अंडरब्रिज की वार्षिक मानसून बाढ़ का हल नहीं मिल रहा है, जो दिल्ली के दिवंगत इतिहासकार के अनुसार आरवी स्मिथ ने 1933 में बनाया था।

बेड से गिरा कोरोना मरीज, अस्पताल के फर्श पर तड़प-तड़पकर मौत...कोई नहीं आया उठाने

नेशनल डेस्क। कोरोना वायरस के बीच कई ऐसी तस्वीरों सामने आई जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया। कभी शवों को गड्ढे में फेंकने का मामला तो कभी दवा की दुकान पर शख्स की मौत। एक ऐसा ही मामला सामने आया तेलंगाना के करीमनगर का जहां कोरोना मरीज के साथ लापरवाही बरती गई। करीमनगर के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती एक मरीज की बेड से गिरने के बाद मौत हो गई। रविवार को जिला अस्पताल में हुई इस घटना में 70 वर्षीय कोरोना मरीज की मौत हो गई। मृतक कोरोना मरीज को 22 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि मृतक को सांस लेने की तकलीफ के बाद ऑक्सीजन दिया जा रहा था। रविवार को मरीज बेड से गिर गया और उसकी ऑक्सीजन सप्लाई बंद हो गई जिस वजह से उसकी मौत हो गई। वहीं वार्ड में भर्ती मरीजों ने आरोप लगाया कि 70 वर्षीय बुजुर्ग के बेड से गिरने की खबर अस्पताल प्रबंधन को दी गई लेकिन कोई भी उनको उठाने नहीं आया। मरीजों ने बताया कि मृतक मरीज काफी देर तक तड़पता रहा क्योंकि उसको सांस नहीं आ रही थी और आखिर में उसकी मौत हो गई। बेड से नीचे गिरे मरीज और साथी मरीजों की शिकायत का वीडियो भी सामने आया है।

कनाडा में तिब्बती प्रवासी और भारतीय मूल के लोगों ने चीन के खिलाफ किया प्रदर्शन

वैंकूवर। कनाडा में 26 जुलाई को वैंकूवर आर्ट गैलरी में चीनी वाणिज्य दूतावास कार्यालय के बाहर तिब्बती प्रवासी और भारतीय मूल के लोगों सहित विभिन्न संगठनों ने चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शन करने वाले संगठनों में कनाडा तिब्बत समिति और तिब्बती समुदाय, फ्रेंड्स ऑफ कनाडा और इंडिया ऑर्गनाइजेशन, ग्लोबल पिनॉय डायस्पोरा कनाडा, वैंकूवर सोसाइटी ऑफ फ्रीडम, डेमोक्रेसी एंड चाइना में मानवाधिकार संगठन, वैंकूवर सोसायटी के समर्थन में लोकतांत्रिक आंदोलन और वैंकूवर उइगर एसोसिएशन शामिल हैं। कोरोना प्रतिबंधों के कारण प्रत्येक समाज में से अधिकतम 50 लोगों को ही प्रदर्शन में शामिल होने की अनुमति थी। इस बीच, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से आग्रह किया कि वे विशेष रूप से हांगकांग से गुजरने वाले चीनी एयरलाइंस में यात्रा न करें। वैंकूवर स्थित फ्रेंड्स ऑफ इंडिया संगठन से जुड़े प्रोटेस्टर्स, पहले 4 जुलाई को यहां चीनी वाणिज्य दूतावास के बाहर इकट्ठा हुए थे, चीन में हिरासत में लिए गए कनाडाई - माइकल स्पावर और माइकल कोवरिग को छोड़ने की आवाज बुलंद की थी। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका समूह बड़ा हो रहा है और अन्य समुदायों के समाज भी उनके साथ जुड़ने लगे हैं।

दिल्ली में काबू हुआ कोरोना: रिकवरी दर पहुंची 88 प्रतिशत के पार

नई दिल्ली।

राजधानी में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से मरीजों के ठीक होने की संख्या में निरंतर वृद्धि और नये मामले कम आने से सोमवार को रिकवरी दर 88.68 प्रतिशत पर पहुंच गई । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से आज जारी बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान नये मामले तेजी से घटकर 613 रह गए। कल 1075 मामले आए थे। दिल्ली में संक्रमितों की कुल संख्या एक लाख 31 हजार 219 पहुंच गयी। दिल्ली में 20 जुलाई के बाद कोरोना के मामले फिर एक हजार से कम आए हैं। बीस जुलाई को 27 मई अर्थात 54 दिन बाद पहली बार एक हजार से कम 957 मामले आए थे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के जुलाई अंत तक दिल्ली में कोरोना के मामले साढ़े पांच लाख पहुंच जाने की आशंका के बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने 15 जून को राजधानी की स्थिति काबू से बाहर होने पर कमान संभाली और तबाड़तोड़ कदम उठाए। इसके बाद राजधानी में वायरस काबू करने में बड़ी सफलता मिली। दिल्ली में 23 जून को 3947 एक दिन के सर्वाधिक मामले आए थे। दिल्ली के लिये राहत की बात यह है कि मरीजों के स्वस्थ होने की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इस दौरान 1497 मरीजों के ठीक होने से कुल एक लाख 16 हजार 372 संक्रमण को शिकस्त दे चुके है और रिकवरी दर बढ़कर 88.68 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इस दौरान 26 और लोगों की मौत होने से मृतकों की कुल संख्या 3853 हो गयी है। राजधानी में सक्रिय संक्रमितों की संख्या भी और घटकर 10994 रह गई। इसमें से 6638 होम आइलोशन में और 2835 अस्पतालों में भर्ती हैं। शेष का अन्य कोविड केंद्रों पर उपचार चल रहा है। कोरोना जांच में पिछले कुछ दिनों में आई तेजी से कुल जांच का आंकड़ा

9,58,283 पर पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 11 हजार से अधिक जांच की गई। कुल 11506 में से आरटीपीसीआर जांच 3821 और रैपिड एंटीजेन जांच 7685 थीं। दिल्ली में 10 लाख की जनसंख्या पर जांच का औसत 50435 पहुंच दिल्ली में कोरोना बेड की कुल संख्या 15,271 हैं जिसमें से 2835 भरे हुए हैं ।

कंधे पर ऑक्सीजन सिलेंडर, ट्रे में इलाज के लिए तरसती मासूम, कागजी कार्रवाई पूरी करते- करते तोड़ दिया दम

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया पर इनदिनों इन्सानियत को शर्मसार कर देने वाली तस्वीर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक मां अपनी नवजात बच्ची को ट्रे में रखकर और पिता कंधे पर ऑक्सीजन के सिलेंडर को लेकर अस्पताल में दर-दर भटकते रहे। फिर भी वह अपनी बच्ची की जान नहीं बचा सकते। यह दर्दनाक घटना बिहार की राजधानी पटना की बताई जा रही है। राजपुर के सखुआना गांव के निवासी सुमन कुमार की पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया था। बच्ची को को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। लाचार पति-पत्नी सदर अस्पताल पहुंचे। तस्वीर में महिला ट्रे में अपने नवजात को ले रखा है और कांधे पर ऑक्सीजन सिलेंडर लिए एक व्यक्ति महिला के साथ हॉस्पिटल के अंदर चलता हुआ दिख रहा है। कांधे पर ये सिलेंडर कोई मामूली सिलेंडर नहीं, बल्कि बक्सर की स्वास्थ्य व्यवस्था की है, जहां कागजी कार्रवाई पूरा करते-करते कई घंटे लग गए. इसी दौरान नवजात बच्ची ने दम तोड़ दिया। सोशल मीडिया पर तस्वीर के वायरल होते ही अस्पताल पर यूजर्स का गुस्सा फूट गया। यूजर्स का कहना है अस्पताल के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

टूडो के झटके से तिलमिलाया पन्नू, दी कनाडा को तोड़ने की धमकी

नेशनल डेस्क।

कनाडा सरकार द्वारा रेफरेंडम 2020 को मान्यता न दिए जाने से तिलमिलाए सिख फॉर जस्टिस के सरपरस्त गुरपतवंत सिंह पन्नू ने रविवार को सीधे-सीधे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर हमला बोल दिया। पन्नू ने वीडियो जारी कर कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री खुद अल्पमत वाली सरकार चला रहे हैं और उनके अपने देश कनाडा में क्यूबिक को अलग करने की मुहिम चल रही है। यहां तक कि पन्नू ने कनाडा की सरकार पर भारत सरकार से 500 मिलियन डालर की डील करने का आरोप भी लगा दिया। पन्नू ने कहा कि कनाडा की सरकार ने भारत के पक्ष में यह बयान जारी करने के लिए 500 मिलियन डालर की डील की है। पन्नू ने कनाडा सरकार को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि वह कनाडा के साइबर स्पेस से यह मुहिम चला रहे हैं और यदि कनाडा की सरकार में दम है तो वह उसे रोक कर दिखाए । पन्नु ने कनाडा के तमाम गुरुद्वारों से मुहिम जारी रखने का ऐलान किया । कनाडा के विदेश मंत्रालय ने इससे पहले एक बयान जारी कर

कहा था कि ''क नाडा भारत की स्वायत्ता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है लिहाजा कनाडा की सरकार किसी रेफरेंडम को मान्यता नहीं देगी। कनाडा की सरकार के लिए भारत के साथ उसके द्विपक्षीय रिश्ते ज्यादा अहमियत रखते हैं।''

कोरोना से दुनिया पस्तः 24 घंटे में 2.16 लाख नए केस मिले, संक्रमण मामले में अमेरिका के करीब भारत

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी से पूरी दुनिया पस्त हो चुकी है। वायरस से विश्व भर में अब तक 6 .51लाख से अधिक मौते हो चुकी हैं और 1.64 करोड़ से भी ज्यादा लोग संक्रिमत हैं। संक्रमण के नए केसों के मामले में भारत हर दिन अमेरिका के करीब पहुंच रहा है। रविवार को दुनिया भर में संक्रमण के 2 लाख 16 हज़ार नए केस सामने आए । बीते 24 घंटे में 4100 लोगों की मौत के बाद कुल मौतों का आंकड़ा बढ़कर अब 6 लाख 51 हज़ार तक पहुंच गया है। अमेरिका में 55 हजार, भारत में 50 हजार, ब्राजील में 23 हजार और साउथ अफ्रीका में 11 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। अमेरिका संक्रमण और मृतकों के मामले में पहले नंबर है जो क्रमशः 41,78,027 और 1,46,460 है। ब्राजील 23,94,513 संक्रमित मरीजों और 86,449 मौतों के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत तीसरे नंबर (13,85,635) पर है जिसके बाद रूस (805,332), दक्षिण अफ्रीका (434,200) का नंबर है। जिन देशों में अब तक कोरोना से 10,000 से अधिक मौतें हुई हैं उनमें ब्रिटेन (45,823), मेक्सिको (42,645), इटली (35,102), भारत (32,060), फ्रांस (30,195), स्पेन (28,432), पेरू (17,843), ईरान (15,484) और रूस (13,172) शामिल हैं। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के 25 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद देश में कुल संक्रमितों की संख्या 14,175 हो गई है और देश में अब तक 299 लोगों की इस संक्रमण से मौत हो चुकी है। दक्षिण कोरिया रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र ने सोमवार को बताया कि नए मामलों में से 16 ऐसे लोग हैं, जो विदेश से लौटे हैं और नौ स्थानीय संक्रमण के मामले हैं, जिनमें से आठ सियोल मेट्रोलोटिन क्षेत्र से हैं। बुसान के दक्षिणी बंदरगाह में खड़े रूस के मालवाहक जहाज में इस देश के दर्जनों कर्मी संक्रमित पाए गए हैं और वायरस से प्रभावित इराक से भी देश के निर्माण कर्मी वायु मार्ग से देश लाए गए हैं। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक दिन में कोविड-19 के 9,300 से अधिक नए मामले सामने आने के बाद यहां कोरोना वायरस के मामले अब न्यूयॉर्क से अधिक हो गए हैं। फ्लोरिडा में अब तक कोविड-19 के कुल 4,23,855 मामले सामने आ चुके हैं। अमेरिका में सबसे अधिक 4,53,659 मामले कैलिफोर्निया में सामने आए हैं। हालांकि कैलिफोर्निया की आबादी फ्लोरिडा से दोगुनी है। वहीं एक समय अमेरिका में कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित रहे न्यूयॉर्क में कोरोना वायरस के 4,11,736 मामले हैं। फ्लोरिडा में रविवार को कोविड-19 के 9,344 मामले सामने आए। यहां कोविड-19 के मरीजों की औसत उम्र 40 वर्ष है। वहीं फ्लोरिडा में 78 और लोगों की जान जाने से मृतक संख्या बढ़कर 5,972 हो गई है। चीन में विदेशों से लौटे प्रवासियों के जरिए से कोरोना महामारी के चार नए मामले सामने आने के साथ बाहरी संक्रमण का आंकड़ा बढ़कर 2049 हो गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को नियमित रिपोर्ट में बताया कि रविवार को मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के आंतरिक इलाकों में दो प्रवासियों की कोरोना से संक्रमित होने की रिपोर्ट मिली है, जबकि फयुजियान ओर सिचुआन प्रांत में एक-एक मामले की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक कोविड-19 के बाहरी संक्रमण के मामलों से जुड़े 80 मरीज अस्पताल में भर्ती है।

दिल्ली वाले जीत रहे हैं कोरोना से जंग, 24 घंटे में संक्रमितों की संख्या से दोगुने लोग हुए ठीक

नई दिल्ली/डेस्क। दिल्ली में कोरोना संक्रमण लागातर कम होता नजर आ रहा है। यहां 24 घंटे में 613 कोरोना के मरीज मिले हैं जबकि 1497 संक्रमित ठीक हुए हैं। दिल्ली संक्रमित होने वालों की कुल संख्या 1 लाख 31 हजार 219 पहुंच गई है। वहीं 24 घंटे में 26 लोगों की मौत हुए है। यहां अब तक कोरोना से 3853 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली में जून माह की शुरुआत की अपेक्षा जुलाई की शुरुआत में कोरोना से होने वाली मौतों में भारी कमी आई है। 1 से 12 जून और 1 से 12 जुलाई की अवधि के दौरान मौतों में 44त्न की गिरावट आई है। 1 से 12 जून के दौरान 1089 मौतें हुई थी जबकि 1 से 12 जुलाई के बीच 605 मौतें हुई हैं। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली सरकार के कोविड अस्पतालों में जून से जुलाई तक मौतों में 58त्न की कमी देखी गई। जो जून में 361 और जुलाई में 154 थी। दिल्ली के अस्पतालों में इस समय 15271 बेड्स हैं जिनमें से 2,835 भरे हुए हैं और 12,436 बेड्स खाली हैं। वहीं डेडिकेटेड कोविड केयर सेंटर में कुल 9412 बेड्स हैं जिनमें से 716 भरे हुए हैं और 4900 बेड्स खाली हैं। इसके अलावा कोविड हेल्थ केयर सेंटर में कुल 544 बेड्स हैं जिसमें से 147 भरे हुए हैं और 407 बेड्स खाली हैं। वहीं दिल्ली में मंगलवार को 3,821 आरटीपीसीआर टेस्ट किए गए। 7,685 टेस्ट रैपिड एंटिजन टेस्ट किट द्वारा किए गए। दिल्ली अब तक कुल 9,58,283 सैंपलों की जांच की जा चुकी है। वहीं प्रति मिलियन पर 50,435 का टेस्ट किया जा रहा है। दिल्ली में इस समय कनटेंमेंट जोन की संख्या बढ़कर 716 पहुंच गई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

म्नुचिन : कोरोना वायरस सहायता पैकेज जल्द, अगस्त से 1200 डॉलर के चेक

वाशिंगटन।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्टीवन म्नुचिन ने शनिवार को कहा कि रिपब्लिकन सांसद सोमवार को अगला कोविड-19 सहायता पैकेज पेश कर सकते हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि इसे व्हाइट हाउस का समर्थन है। उन्होंने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सहायक ने एक हजार अरब डॉलर के पैकेज के लिए मुलाकात की थी जो कुछ दिन पहले अटक गया था। म्नुचिन ने पत्रकारों को बताया कि बेरोजगारों को मदद देने वाले पैकेज की अवधि समाप्त हो रही है और इसका विस्तार करना राष्ट्रपति की शीर्ष प्राथमिकता है। मंत्री ने लोगों को काम पर जाने के लिए 600 डॉलर की साप्ताहिक मदद को ''बेतुका'' बताया। उन्होंने अगस्त में 1,200 डॉलर की मदद देने का वादा किया। म्नुचिन ने कैपिटोल में राष्ट्रपति के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज के साथ मुलाकात के बाद कहा, ''हम तेजी से आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रिपब्लिकन सांसदों के पैकेज का ''पूरी तरह'' समर्थन करेंगे। म्नुचिक का यह आशावादी आकलन डेमोक्रेट्स द्वारा अद्यतन प्रस्ताव को सार्वजनिक किये जाने पर जोर डाले जाने से पहले आया, जो शुरुआत में प्रतिनिधि सभा और सीनेट के नेताओं की दूसरे पक्ष के साथ बातचीत में सिर्फ शुरुआती बिंदु था।

म्नुचिन ने कहा कि उन्होंने हाल में सदन की स्पीकर नैंसी पेलोसी और सीनेट में विपक्षी नेता चुकशूमर से अगले हफ्ते व्यापक करार पर होने वाली चर्चा से पहले मुलाकात की थी व्हाइट हाउस और सीनेट में रिपब्लिकन नेता गुरुवार को इस विधेयक के गिर जाने के बाद एक हजार अरब के इस वायरस राहत विधेयक को लेकर नए सिरे से तैयारियां कर रहे हैं। इस विधेयक के आकार, दायरे और विवरण को लेकर रिपब्लिकन नेताओं में अंतर्विरोध है।

कोरोना से दुनिया पस्तः 24 घंटे में 2.16 लाख नए केस मिले, संक्रमण मामले में अमेरिका के करीब भारत

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी से पूरी दुनिया पस्त हो चुकी है। वायरस से विश्व भर में अब तक 6 .51लाख से अधिक मौते हो चुकी हैं और 1.64 करोड़ से भी ज्यादा लोग संक्रिमत हैं। संक्रमण के नए केसों के मामले में भारत हर दिन अमेरिका के करीब पहुंच रहा है। रविवार को दुनिया भर में संक्रमण के 2 लाख 16 हज़ार नए केस सामने आए । बीते 24 घंटे में 4100 लोगों की मौत के बाद कुल मौतों का आंकड़ा बढ़कर अब 6 लाख 51 हज़ार तक पहुंच गया है। अमेरिका में 55 हजार, भारत में 50 हजार, ब्राजील में 23 हजार और साउथ अफ्रीका में 11 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। अमेरिका संक्रमण और मृतकों के मामले में पहले नंबर है जो क्रमशः 41,78,027 और 1,46,460 है। ब्राजील 23,94,513 संक्रमित मरीजों और 86,449 मौतों के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत तीसरे नंबर (13,85,635) पर है जिसके बाद रूस (805,332), दक्षिण अफ्रीका (434,200) का नंबर है। जिन देशों में अब तक कोरोना से 10,000 से अधिक मौतें हुई हैं उनमें ब्रिटेन (45,823), मेक्सिको (42,645), इटली (35,102), भारत (32,060), फ्रांस (30,195), स्पेन (28,432), पेरू (17,843), ईरान (15,484) और रूस (13,172) शामिल हैं। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण के 25 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद देश में कुल संक्रमितों की संख्या 14,175 हो गई है और देश में अब तक 299 लोगों की इस संक्रमण से मौत हो चुकी है। दक्षिण कोरिया रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र ने बुसान के दक्षिणी बंदरगाह में खड़े रूस के मालवाहक जहाज में इस देश के दर्जनों कर्मी अमेरिका के फ्लोरिडा में एक दिन में कोविड-19 के 9,300 से अधिक नए मामले सामने आने के बाद यहां कोरोना वायरस के मामले अब न्यूयॉर्क से अधिक हो गए हैं। फ्लोरिडा में अब तक कोविड-19 के कुल 4,23,855 मामले सामने आ चुके हैं। अमेरिका में सबसे अधिक 4,53,659 मामले कैलिफोर्निया में सामने आए हैं।

चीनी डॉक्टर का दावा- कोरोना वायरस को लेकर वुहान ने छिपाया सच, मिटाए सबूत

बीजिंग।

कोरोना वायरस को लेकर चीन पर लगातार आरोप लग रहे हैं कि महामारी के बारे में जानकारी छिपा कर इसने पूरी दुनिया को मुसीबत में डाल दिया है। अमेरिका तो कई बार कोरोना फैलाने के लिए चीन पर निशाना साध चुका और अपनी नाराजगी भी दिखा चुका है। हालांकि चीन इन आरोपों को लगातार खारिज करता आ रहा है। लेकिन अब चीन के ही एक डाक्टर ने शी जिनपिंग सरकार की पोल खोल दी है। शुरुआती कोरोना वायरस के मामलों की पहचान करने वाले एक डॉक्टर प्रोफेसर क्वॉक-युंग युन ने बताया है कि उन्हें लगता है स्थानीय अधिकारियों ने कोरोना के शुरुआती प्रसार के गंभीरता को छिपाया। क्वॉक-युंग युन वही डाक्टर है जिन्होंने वुहान के अंदर जांच करने में मदद की थी। उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर सबूतों को मिटाया गया और क्लीनिकल फाइंडिग के रिस्पांस को भी धीमा कर दिया गया। अभी तक यही माना जा रहा है कि वायरस हुनान मार्केट से फैला लेकिन प्रोफेसर युन कहते हैं कि जब जांचकर्ता इस मार्केट में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि स्थानीय प्रशासन पहले ही इलाक़े को डिसइन्फेक्ट कर चुका था यानि कोरोना वायरस की उत्पत्ति के अहम सबूत मिटा दिए गए थे। प्रोफेसर युन ने कहा, जब हम हुनान मार्केट गए तो वहां देखने के लिए कुछ भी नहीं था क्योंकि मार्केट पहले ही साफ़ कर दिया गया था। यानि क्राइम सीन से छेड़छाड़ की गई थी, क्योंकि सुपरमार्केट साफ़ था और हम पता ही नहीं लगा पाए कि वायरस किस होस्ट से इंसानों में गया। उन्होंने कहा, मुझे शक़ है कि वुहान में कुछ छिपाया जा रहा रहे है। जिन स्थानीय अधिकारियों को इस बारे में जानकारी देनी चाहिए थी, उन्हें जल्द से जल्द ये जानकारी देने की अनुमति नहीं दी गई।

विवादित अमेरिकी वैज्ञानिक का दावा- डॉ. फाउची ने ही बनाया कोरोना वायरस, फिर भेजा चीन

न्यूयार्क।

कोरोना वायरस फैलने को लेकर एक नया प्रपोगंडा सामने आने पर बवाल मच सकता है। इस बार निशाना चीन नहीं बल्कि अमेरिका और उसके वैज्ञानिक शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. एंथनी फाउची हैं। एक विवादित पूर्व अमेरिकी शोध वैज्ञानिक ने अपने साक्षात्कार में कहा है कि डॉ फाउची ने ही कोरोना वायरस तैयार किया और उसे चीन भेजा। इस बीच सिनक्लेयर ब्रॉडकास्ट ग्रुप ने शनिवार को कहा कि वह अपने ''अमेरिका दिस वीक के उस संस्करण को वापस ले रहा है जिसमें शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. एंथनी फाउची और कोरोना वायरस से जुड़ी कथित साजिश की थ्योरी पर चर्चा की गई थी। सिनक्लेयर के प्रवक्ता माइकल पाडोवानो ने कहा कि सिनक्लेयर को कार्यक्रम में संदर्भ तथा अन्य विचारों को जोड़ कर इस विवादास्पद संस्करण को ''अमेरिका दिस वीक के अगले सप्ताह प्रसारित करने की उम्मीद है। देश के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डा. फाउची ने एक नये पोडकास्ट में उन्हें मिल रही गंभीर धमकियों और घृणा भरे ईमेल पर विस्तार से चर्चा की। ''अमेरिका दिस वीक के प्रस्तोता एरिक बॉलिंग हैं । इस सप्ताहांत शो में एक पूर्व अमेरिकी शोध वैज्ञानिक जूडी मिकोविट्स जो अपने बदनाम चिकित्सा दावों के लिए जानी जाती हैं और उनके वकील लैरी क्लैमैन का साक्षात्कार दिखाया गया। टीका विरोधी कार्यकता मिकोविट्स का मानना है कि डॉ फाउची ने ही कोरोना वायरस तैयार किया और उसे चीन भेजा। हालांकि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि वायरस को प्रयोगशाला में बनाया गया है। जूडी मिकोविट्स ने ही विवादास्पद वीडियो ''प्लेंडेमिक बनाया था। संस्करण में बॉलिंग ने इस दावे पर कोई संदेह नहीं व्यक्त किया और न ही इसकी सत्यता की जांच के लिए कोई साक्ष्य पेश करते नजर आए। इसी संस्करण कि ''उन्हें नहीं लगता कि फाउची कहीं भी और किसी भी तरीके से इस वायरस को बनाने में शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में बीमार कर्मियों की वजह से बढ़ रहे कोरोना केस

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित विक्टोरिया राज्य में सोमवार को संक्रमण के रिकॉर्ड 532 नए मामले सामने आए हैं और सरकार ने आगाह किया है कि जब तक मेलबर्न में संक्रमित लोग काम पर जाते रहेंगे, तब तक लॉकडाउन लागू रहेगा। मेलबर्न में कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए छह सप्ताह के लॉकडाउन की घोषणा की गई थी जिसमें से आधा समय बीत चुका है। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे बड़े शहर में मास्क पहनने को पिछले सप्ताह अनिवार्य कर दिया गया था। सोमवार को सामने आए नए मामले और छह लोगों की मौत ने पिछले सप्ताह बुधवार को 484 मामले के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। विक्टोरिया के प्रीमियर डेनियल एंड्रूज ने कहा कि संक्क्रमण के बढ़ते मामलों के पीछे की बड़ी वजह वे लोग हैं जो संक्रमण के लक्षण दिखने के बाद भी काम पर जा रहे हैं। इसकी वजह से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ रही है और लॉकडाउन तब तक खत्म नहीं होगा जब तक लक्षण दिखने वाले लोग काम पर जाने के बजाए जांच के लिए नहीं जाते। वहीं, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने विक्टोरिया में संक्रमण से निपटने के लिए धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

जॉर्डन हवाई अड्डे से 5 अगस्त से बहाल होगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

अम्मान। जॉर्डन हवाई अड्डे से 5 अगस्त से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बहाल होगी। जॉर्डन नागरिक उड्डयन नियामक आयोग के मुख्य कमिश्नर हैथम मिस्तो ने कहा, ''जॉर्डन से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। उन्हें जरुरी टेस्ट से गुजरना होगा। उन्होंने बताया कि पांच अगस्त से जॉर्डन से 22 देशों के लिए उड़ान सेवा बहाल होगी और इस संबंध में हर दो सप्ताह में जानकारी दी जाएगी। श्री मिस्तो को अनुसार जॉर्डन आने वाले यात्रियों को यहां पहुंचने पर टेस्ट कराना होगा जबकि यहां से जाने वाले यात्रियों का विमान में चढ़ने से पहले टेस्ट कराया जाएगा। जॉर्डन के स्वास्थ्य मंत्री साद जाबेर ने कहा कि रविवार को देश में कोरोना के 14 नए मामले सामने आए हैं जिससे यहां इससे संक्रमितों की संख्या 1168 हो गयी है।

पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा के पास भारतीय ड्रोन को गिराने का दावा किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना ने रविवार को दावा किया कि उसने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कथित तौर पर हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने को लेकर एक भारतीय जासूसी ड्रोन को मार गिराया। सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, एलओसी के पांडु सेक्टर में ड्रोन को निशाना बनाया गया और इसका मलबा पाकिस्तानी क्षेत्र में ही गिरा। इसमें दावा किया गया कि भारतीय जासूसी ड्रोन पाकिस्तानी सीमा में 200 मीटर तक घुस आया था, जब इसे मार गिराया गया। बयान में दावा किया गया, यह 10वां भारतीय ड्रोन है जिसे इस साल पाकिस्तानी सेना ने मार गिराया। हालांकि, भारत ने पूर्व में किए गए पाकिस्तानी सेना के ऐसे सभी दावों को खारिज किया है।

अफगानिस्तान में तालिबानी कमांडर सहित 8 आतंकवादी ढेर

काबुल। पश्चिमी अफगानिस्तान में गोर प्रांत के शहरक जिले में मुठभेड़ के दौरान रविवार को एक तालिबानी कमांडर सहित आठ आतंकवादी मारे गए। अफगानिस्तान की सेना ने यहां एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक मुल्ला खाकसार के नेतृत्व में तालिबानी आतंकवादियों के एक समूह ने रविवार को तड़के शहरक जिले के खारिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों की चौकियों पर हमला किया।इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कारवाई करते हुए खाकसार सहित आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की कारवाई के कारण बाकी आतंकवादी वहां से भाग निगले। सेना ने बताया कि खाकसार एक कुख्यात कमांडर था और उसके मारे जाने से तालिबान को गोर प्रांत में तगड़ा झटका लगा है। तालिबान ने अब तक इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

चीन ने अमेरिका की चेतावनी की नजरअंदाज, द. चीन सागर में की लाइव फायर ड्रिल की शुरूआत

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका द्वारा चीन को इस क्षेत्र में दादागिरी न दिखाने की वार्निंग के बावजूद ड्रेगन पर इसका कोई असर नही दिख रहा है। अमेरिकी चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए चीन की पीपल्स लिब्रेशन आर्मी ने दक्षिणी गुआनडोंग प्रांत के लिझोऊ पेनिनसुला में लाइव फायर ड्रिल की शुरुआत की है। यह दक्षिण चीन सागर का दहलीज कहा जाता है। यह जानकारी चीन की आधिकारिक मीडिया ने दी है। इसमें की वायुसेना और पीएलए की नेवी और रॉकेट फोर्स शामिल है। यह अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब चीन का कई मुद्दों को लेकर अमेरिका से तनाव काफी बढ़ चुका है। दक्षिण चीन सागर और वॉशिंगटन द्वारा ताइवान को हथियार बेचे जाने को लेकर भी तनातनी है। बता दें कि पिछले सप्ताह, पहली बार वॉशिंगटन ने दक्षिण चीन सागर में चीन के दावे को खारिज कर दिया है, जिसके बड़े हिस्से पर वियतनाम, फिलिपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान की ओर से दावा किया जाता है।

कोरोना संकट के बीच टेक्सास पहुंचा 'हन्ना तूफान, भारी बारिश से मचाई तबाही

लॉस एंजलिस।

बवंडर के रूप में उठा उष्णकटिबंधीय तूफान 'हन्ना रविवार को टेक्सास खाड़ी तट पर पहुंच गया और भारी बारिश से तबाही मचाई। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से जूझ रहे क्षेत्र में यह तूफान बर्बादी का सबब लेकर आया है जहां तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने नौकाएं तबाह कर दीं, सड़कों पर बाढ़ आ गई और बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने बताया कि तूफान 'हन्ना करीब 85 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से अमेरिका-मेक्सिको सीमा के ऊपर से गुजरा। इसके कारण से दक्षिणी टेक्सास और उत्तरपूर्वी मेक्सिको के कुछ हिस्सों में 30 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा हुई। सीमा पर रहने वाले समुदाय जिनकी स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही कोविड-19 के मामलों के बोझ तले दबी हुई है, वे अब 2020 के अटलांटिक मौसम के पहले तूफान के प्रकोप से घिरे हैं। टेक्सास के हिडाल्गो काउंटी के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. इवान मेलेंडेज अस्पताल में एक मरीज का इलाज कर रहे थे जब उन्होंने और एक नर्स ने देखा कि पानी अस्पताल के भीतर घुस आया है। यह पानी उस रोशनदान से बहकर आ रहा था जिसमें अस्पताल में वायरस का प्रसार रोकने के लिए एक पंखा लगाया गया था।

मध्यरात्रि में तूफान के बीच घर पहुंचने के बाद, मेलेंडेज टूटे हुए पेड़ों और बिजली गुल होने की वजह से रविवार सुबह अपने घर में फंस गए। मरीज को वेंटिलेटर पर कहां रखना है, यह बताने के लिए उन्हें फोन का इस्तेमाल करना पड़ा क्योंकि वह अस्पताल नहीं जा पा रहे थे।

रेड क्रॉस के टेक्सास खाड़ी तट चैप्टर के सीईओ हेनरी वेन डे पुटे ने कहा, लोगों की आंखों में देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि वे हताश हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को वायरस के डर के चलते मदद मांगने में देरी नहीं करनी चाहिए। पुट्टे ने कहा, हां, कोरोना वायरस के कारण खतरा है, लेकिन साथ ही बाढ़ के पानी से, बिजली नहीं होने से और दवा नहीं होने से भी है।

कोरोनो संकट के बीच अमेरिका में फैला नया स्लाद संक्रमण, 600 से अधिक लोग बीमार

वाशिंगटन।

कोरोना वायरस संकट से जूझ रहे अमेरिका में अब नए संक्रमण ने दस्तक दी है । यहां स्लाद संक्रमण का प्रकोप अमेरिका के अनेक राज्यों में फ़ैल गया है जिससे 600 से अधिक लोग बीमार हैं। फेडरल अधिकारियों के अनुसार यह साइक्लोस्पोरा सलाद के सेवन से जुड़ा संक्रमण है और इलिनोइस स्थित फ्रेश एक्सप्रेस उत्पादन सुविधा द्वारा सलाद मिक्स बैच के कारण फैल रहा है। सलाद के इस मिक्स में फ्रेश एक्सप्रेस द्वारा लाल गोभी, आइसबर्ग लेटस और गाजर और अन्य उत्पाद डाले गए हैं। संक्रमण के शुरूआती कुछ मामले मई में और कुछ इस महीने के बीच अमेरिका के कई राज्यों जैसे जॉर्जिया, आयोवा, इलिनोइस, कंसास, मिनेसोटा, मिसौरी, नेब्रास्का, नॉर्थ डकोटा, पेंसिल्वेनिया, दक्षिण डकोटा और विस्कॉन्सिन सहित लगभग 11 राज्यों में दर्ज किए गए थे। सीडीसी , राज्य और स्थानीय पार्टनर्स के साथ स्वश्शस्त्र साइक्लोस्पोरा संक्रमणों के इस प्रकोप की जांच करने में जुटी है। इस जांच में फ्रेश एक्सप्रेस के ब्रांडेड उत्पादों के साथ एएलडीआई, जाइंट ईगल, हाय-वी, ज्वेल-ओस्को, शॉपराइट और वॉलमार्ट जैसे रिटेल स्टोर में बेचे जाने वाले फ्रेस एक्सप्रेस के अन्य उत्पादों की भी जांच की जाएगी एक प्रेस रिलीज में कहा कि जांचकर्ता यह देखना जारी रखेंगे कि खुदरा ब्रांडों पर भी इसका असर पड़ सकता है या नहीं। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने लोगों को सलाद से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को घरों में ये रिकॉल्ड उत्पाद नहीं खाने चाहिए और रेस्तरां और खुदरा विक्रेताओं को भी इस तरह के कंपनी द्वारा वापस मंगाए गए उत्पादों की बिक्री या सेवन नहीं करनी चाहिए.यइन उत्पादों को या तो फ्रेश एक्सप्रेस लेबल के साथ ब्रांड किया जाए या उन्हें अन्य कई खुदरा स्टोर ब्रांड लेबल के साथ ब्रांड किया जा सकता है जिससे ग्राहकों को पता चल सके कि ये रिकॉल्ड उत्पाद हैं।रिकॉल्ड उत्पाद रखने वाले रिटेल स्टोर ब्रांड आल्डी, लिटिल सलाद बार, जाइंट ईगल, हाय-वी, ज्वेल-ओस्को सिग्नेचर फार्म्स, शॉप्राइट व्हॉल्सम पेंट्री और वॉलमार्ट मार्केटसाइड हैं।साइक्लोस्पोरा एक सूक्ष्म परजीवी है जो आंतों से जुड़े अंगों और नलिकाओं को प्रभावित करता है और बाद में दस्त का कारण बनता है जो एक महीने तक मरीज को परेशान कर सकता है।एक व्यक्ति द्वारा दूषित भोजन या पानी का सेवन करने के लगभग एक सप्ताह बाद यह अपने लक्षण दिखाना शुरू कर सकता है।

चीन के चेंगदू में अमेरिकी दूतावास हुआ खाली, उतारा गया झंडा

बीजिंग। दक्षिण पश्चिम चीन में अमेरिका के एक वाणिज्य दूतावास से अमेरिका के झंडे को उतार दिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने चीन सरकार के आदेश के अनुसार चेंगदू वाणिज्य दूतावास परिसर को खाली कर दिया है। सरकारी प्रसारक 'सीसीटीवी ने अपने सोशल मीडिया खाते पर बताया कि शिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदू में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से सोमवार सुबह छह बजकर 18 मिनट पर झंडा उतार दिया गया। पुलिस ने वाणिज्य दूतावास के चारों ओर के इलाके में दो से तीन ब्लॉक बंद कर दिए हैं, जिसके कारण अब इस परिसर को देखा नहीं जा सकता। वाहनों को कई पुलिस लाइनों के पीछे कुछ दूरी से चलते देखा गया। अमेरिका ने ह्यूस्टन में चीनी वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया था, जिसके जवाब में चीन ने शुक्रवार को चेंगदू में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास बंद करने का आदेश दिया। अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में रविवार को कुछ ट्रक आए और कुछ घंटों बाद वहां से गए। इस इलाके को बंद किए जाने से पहले इस परिसर को देखने के लिये लगातार रुक गए, जिससे वहां सड़क पर यातायात बाधित हो गया। दूसरे दिन लोगों की भीड़ जुटी रही। लोग सेल्फी और तस्वीरें लेने के लिए रुक गए, जिससे वहां सड़क पर यातायात बाधित हो गया। यहां लगातार दूसरे दिन इतनी भीड़ जमा हुई। सिचुआन प्रांत की राजधानी चेंगदू, अमेरिका के ह्यूस्टन शहर के साथ अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में है, क्योंकि चीन और अमेरिका ने एक-दूसरे के वाणिज्य दूतावासों को बंद करने का आदेश दिया है। पुलिस ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने सड़क और पैदल पथ को बंद कर दिया है और वहां अवरोधक लगाये हैं। एपी

3 बड़े मुद्दों पर चौतरफा घिरा चीन, 60 से ज्यादा देशों ने ड्रेगन के खिलाफ खोला मोर्चा

इंटरनेशनल डेस्क।

दक्षिण चीन सागर को लेकर दादागिरी और कोरोना वायरस को लेकर चीन के खिलाफ अब अमेरिका के अलावा बाकि देशों भी विरोध बढ़ने लगा है। हालांकि अमेरिका की चीन को इस क्षेत्र में दादागिरी न दिखाने की वार्निंग के बावजूद ड्रेगन पर इसका कोई असर नही दिखा और अमेरिकी चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए पीपल्स लिब्रेशन आर्मी ने दक्षिणी गुआनडोंग प्रांत के लिझोऊ पेनिनसुला जिसे दक्षिण चीन सागर की दहलीज भी कहा जाता है, में लाइव फायर ड्रिल की शुरु कर दी। चीन की इन्हीं हरकतों के खिलाफ दुनिया के कई देश बगावत त पर उतर आए हैं और ड्रेगन के विरोध में गोलबंदी शुरू कर दी है। दक्षिण चीन सागर के अलावा हांगकांग, कोरोना वायरस जैसे मुद्दे भी चीन के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण बने हुए हैं और इन मुद्दों पर उसके खिलाफ 60 से अधिक देश मोर्चा खोल चुके हैं। दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन चौतरफा घिर चुका है। दक्षिण चीन सागर दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक है। इतना ही दुनिया में समुद्री मार्ग से होने वाला ेयापार सबसे अधिक इसी मार्ग से होता है। दक्षिण चीन सागर मुद्दे पर काफी समय से चीन का टकराव एक नहीं बल्कि कई देशों से है। चीन जहां इसको अपना बताया है वहीं अमेरिका, ब्रिटेन, भारत, आस्ट्रेलिया समेत अनेक देश इसको दूसरे जलमार्गों की ही तरह सामूहिक मानते हैं। सभी देश इस पर चीन के दावे को खारिज करते आए हैं। इसके बाद भी चीन हमेशा से ही इसको लेकर आक्रामक रुख अपनाता रहा है। दक्षिण चीन सागर में स्थित विभिन्न देशों के बीच इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित करने को लेकर तनाव चरम पर है। इसकी एक वजह यहां पर प्राकृतिक गैस का अपार भंडार भी है। दक्षिण चीन सागर पर चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताईवान और ब्रुनेई भी अपना-अपना अधिकार जताते रहे हैं। इस मुद्दे पर चीन और अमेरिका कई बार टकराव तक पहुंच चुके हैं। इतना ही नहीं यहां पर तैनात चीनी नौसेना के जहाज और लड़ाकू विमान यहां पर आने वाली अन्ेय देशों की नौकाओं या लड़ाकू विमानों पर लगातार धमकी भी देते रहते हैं। यहां से गुजरने वाले आस्ट्रलियाई पायलटों के साथ इस तरह की घटना सामने आ चुकी है जिसमें उनके विमान पर लेजर से हमला किया गया था। हालही में अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने जंगी जहाजी बेड़ों को यहां पर तैनात करने का ऐलान किया है। ब्रिटेन का एचएमएस एलिजाबेथ यहां पर जापान की नेवी के साथ तैनात होगा। ब्रिटेन के इस नौसना के बेड़े में करीब डेढ़ दर्जन से अधिक जहाज शामिल हैं। हाल ही में भारत-अमेरिका और आस्ेट्रलिया ने हिंद महासागर में सैन्ेय अभ्ेयास कर चीन को संकेत भी दिया है। हांगकांग के मुद्दे पर दुनिया के 53 से अधिक बड़े देश चीन के खिलाफ मुखर हो चुके हैं। आस्ेट्रलिया और ब्रिटेन खुले तौर पर हांगकांग के नागरिकों को अपने यहां की नागरिकता देने की बात कर चुके हैं। इसकी वह चीन बुरी तरह से झल्े लाया और बौखलाया हुआ है। वहीं अमेरिका भी इस मुद्दे पर भी चीन से काफी नाराज है। उसने हांगकांग को दिया गया स्ेपेशल स्ेटेटस का दर्जा भी वापस ले लिया है। हांगकांग के मुद्दे पर अमेरिका ने चीन पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि चीन ने भी इसके जवाब में अमेरिकी सिनेटरों पर प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा अमेरिका ने चीन की कंपनी हुआवेई और उसके कुछ कर्मचारियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ब्रिटेन इस तरह की कार्रवाई पहले ही कर चुका है। जब से चीन ने हांगकांग में अपना राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया है तब से कई देश उसके खिलाफ हो गए हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजभवन के निकट प्रदर्शन करने पर चावडा और धानाणी समेत २० हिरासत में

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद,बगैर मंजूरी के गांधीनगर में राजभावन के बाहर प्रदर्शन कर रहे गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा और विपक्ष के नेता परेश धानाणी समेत 20 लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

राजस्थान के राजनीतिक संकट को लेकर देश के सभी राजभवन के बाहर कांग्रेस आज विरोध प्रदर्शन कर रही है। गुजरात में राजभवन के बाहर प्रदर्शन करने की कांग्रेस को अनुमति नहीं मिली थी। कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए राजभवन पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

अमित चावड़ा और परेश ध ाानाणी के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सर्किट हाउस पर जमा हुए थें।

जहां नेता और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमित चावड़ा ने कहा कि

देश के अलग अलग राज्यों में लोकतंत्र का हनन किया जा रहा है।

मणीपुर, गोवा में लोकतंत्र की हत्या की गई है और भाजपा इसी परंपरा को आगे बढ़ा रही है।

राजस्थान में निर्वाचित सरकार को भाजपा गिराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर बिराजमान राज्यपाल को निष्पक्ष होकर कार्यवाही करनी चाहिएद्य लेकिन संवैधानिक पद बैठे जिम्मेदार लोग केन्द्र सरकार के आदेश पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विध ाानसभा सत्र बुलाने का राज्यपाल से अनुरोध किया था और कहा कि सदन में राजस्थान के प्रश्नों पर चर्चा करनी है।

राज्य की कैि. बनेट की सिफारिश पर राज्यपाल को विधानसभा का सत्र बुलाना होता है।

सोमवार को गुजरात समेत देश के विभिन्न राज्यों में राजभवन के सामने "लोकतंत्र बचाओ–संविधान बचाओ" को लेकर विरोध प्रदर्शन कियाद्य गुजरात प्रदेश प्रमुख अमित चावड़ा और विपक्ष के नेता परेश धानाणी समेत कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने गांधीनगर में राजभवन के सामने

लेकिन केन्द्र सरकार के आदेश पर काम कर रहे राज्यपाल विधानसभा का सत्र नहीं बुला रहे।

चावड़ा ने कहा कि भाजपा की सत्ता की भूख लोकतंत्र की हत्या पर आमादा है

और उसी के खिलाफ कांग्रेस देशभर में राजभवन के बाहर प्रदर्शन कर रही है।

इसके बाद अमित चावड़ा और परेश धानाणी के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता राजभवन पहुंचे।

जहां पुलिस ने अमित चावड़ा और परेश धानाणी समेत 20 लोगों को हिरासत में ले लिया।

गांधीनगर के डीवायएसपी एमके राणा ने बताया कि कांग्रेस ने प्रशासन से कोई मंजूरी नहीं मांगी।

उन्होंने कहा कि राजभवन पर बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है,

ताकि किसी भी परिस्थिति पर काबू पा सकें।

पांडेसरा क्षेत्र में दिन दहाडे दो अज्ञात शख्सों का सफाईकर्मी पर चाकू से हमला

क्रांति समय सुरत

सूरत, शहर के पांडेसरा क्षेत्र में दिन दहाड़े एक सफाईकर्मी पर दो शख्सों ने चाकू से हमला कर दिया।

चाकू से 35 से 40 जितने वार कर अज्ञात शख्स अपनी मोटर सा. इकिल और चाकू घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए। सफाईकर्मी को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में रहनेवाला गवलेश भगत महानगर पालिका में सफाई कर्मचारी है। गवलेश भगत सूरत के पांडेसरा क्षेत्र की सर्वोदयनगर सोसायटी के निकट अपने काम में व्यस्त था। उस वक्त मोटर साइकिल पर आए दो शख्सों ने चाकू से उस पर जानलेवा हमला कर दिया।

अज्ञात शख्सों ने चाकू से 35 से 40 जितने गवलेश को गंभीर रूप से घायल कर दिया और घटनास्थल से फरार हो गए। घटना के बाद अन्य सफाईकर्मी मौके पर जमा हो गए और गवलेश को सूरत के निजी अस्पताल पहुंचाया। खबर मिलते ही पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया। जानकारी के मुताबिक हमलावर शख्स क्षेत्र में गुंडागिरी करते थे

और अहमदाबाद व वडोदरा से तड़ीपार किए गए हैं तथा फिलहाल सूरत में रह रहे थे। इन दोनों शख्सों के साथ गवलेश की दो दिन पहले लड़ाई हुई थी।

संभवतः इसी रंजिश को लेकर शख्सों ने गवलेश पर जानलेवा हमला किया।

लाखों रुपए की नकदी के साथ तीन युवक गिरफ्तार

क्रांति समय सुरत

नवसारी की गणदेवी पुलिस ने महाराष्ट्र से एक कार में आ रहे तीन शख्सों को लाखों रुपए की नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया है।

बरामद किए गए रुपए महाराष्ट्र के नासिक से सूरत लाए जा रहे थे।

जानकारी के मुता. बिक नवसारी जिले की गणदेवी पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोक उसकी तलाशी ली।

जिसमें लाखों रुपए की नकदी देख पुलिस चौंक पड़ी।

हवाला के रुपए होने की आशंका तहत पु. लिस ने कार में सवार तीन शख्सों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

लेकिन पकड़े गए युवक पुलिस के सवालों का सही जवाब नहीं दे रहे। शख्सों ने बताया कि वह महाराष्ट्र के नासिक से रुपए लेकर सूरत जा रहे थे।

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने से पुलिस भी अब तक कोई निष्कर्ष पर नहीं पहुंचीं ।

लाखों रुपए की नकदी होने के कारण पुलिस को उसे गिनना भारी पड़ गया। जिससे पुलिस ने गणदेवी के तहसीलदार और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों को साथ रखना पड़ाद्य।

नकदी में २०००, ५०० और १०० रुपए की नोटें शामिल हैं।

(फोटो) सूरत कोरोनाकाल में कारखाने बंद होने के कारण लूम्स कारखाना मालिक नींबू बेचने को मजबूर।

दक्षिण गुजरात किसान समाज के प्रमुख जयेश पटेल भाजपा में शामिल

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, दक्षिण गुजरात की सुमूल डेयरी के निदेशक और किसान समाज के प्रमुख जयेश पटेल ने आज भ. ाजपा जॉइन कर ली।

गांधीनगर पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, विधायक मुकेश पटेल, सुमूल के चेयरमैन राजु पाठक और जिला महासचिव संदीप देसाई की मौजूदगी में जयेश पटेल ने भगवा धारण कियाद्य पिछले २५ वर्षो से किसान और सहकारी क्षेत्र से जुड़े जयेश पटेल का भाजपा में स्वागत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटील ने कहा कि स्थानीय सहकारी नेताओं की इच्छा थी कि जयेश पटेल भाजपा में शामिल हों।

हांलाकि वह पहले भाजपा की पैनल से जुड़े हैं और सुमूल डेयरी के आगामी में चुनाव हमारी जीत तय है। जयेश पटेल के भाजपा में शामिल होने से नुकसान और फायदे की बात नहीं बल्कि चुनाव मेंजीत बगैर कोई संघर्ष के हो यह जरूरी है। डेयरी में कोई गुट नहीं है और सभी भाजपा के नेता और कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि मैं आज भी अपनी बात पर कायम हूं कि गुजरात में भाजपा सरकार मजबूत है। भाजपा आगामी चुनाव अपने कार्यकर्ताओं के दम पर लड़ेगी और जीतेगी। इसलिए बाहर से किसी को पार्टी में लाने की जरूरत नहीं है। पाटील ने कहा कि मुझे कांग्रेस को कोई जवाब देने की जरूरत नहीं हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद जयेश पटेल ने कहा कि वह पिछले २०–२५ सालों से किसानों के लिए काम कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)